उसके पुनरुत्थान का प्रमाण

धन्यवाद, भाई नेविल। सुप्रभात, दोस्तो। आज सुबह फिर से यहाँ आराधना भवन में होना अच्छा लग रहा है, जिससे कि प्रभु यीशु की आराधना करे। हम में से बहुतो की आज दूसरी सभा है। हम आज प्रात: यहां पर थे, और प्रभु ने हमारे साथ अद्भुत रीती से भेंट की। और मैं कुछ मिनटो के लिये बस लोगो से बात करने के लिये आया था, और यहां तक अपेक्षा भी नही थी कि मेरे पास कुछ लिखा हुआ हो। और पहली बात आप जानते है, मुझे प्रचार करना था। और हमारे पास एक—एक बहुत अच्छा समय था, और हम इसके लिये प्रभु को धन्यवाद देते है।

2 अब, हम क्षमा चाहते है, इस छोटे से भवन में हमारे पास सभी लोगो के बैठने के लिए स्थान नही है जिसके वजह से उन्हे इस तरह से खड़ा रहना पड़ रहा है। मुझे यह पंसद नही है, बहुत ही बुरी बात है, लेकीन इस समय हम इतना ही कर सकते है। सो हम कोशिश करेंगे, आपको ज्यादा समय तक नही रोके रखे; बस आप सबको एक ईस्टर की शुभकामनाए दुंगा। और हम आज सुबह बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे है, जैसे बताया गया था। और जो भी हम करने जा रहे है, प्रभु सारी बातों पर उसकी आशीष को जोड़े, क्योंकि इसी उदेश्य से हम यहां पर इकट्ठा हुये है, कि परमेश्वर हमसे भेंट करे और हमे आशिष दे।

3 अब, आज रात की सभा बपतिस्मा की सभा है। और आप जिन्होने अब तक पानी मे डूबाने के द्वारा बपतिस्मा नही लिया है, और इसे लेने की इच्छा रखते है, सो, हम आज रात यहां आपको आमंत्रित करते है। तैयार होकर आये, और अपने बपतिस्में के वस्त्रों को लेकर आये, क्योंकि आज रात हम एक यहां महान सभा की अपेक्षा करते है, बपतिस्में की सभा में।

4 और अब, आज यह ईस्टर है और संभवत: है, आप में से बहुतों की आपकी इसी समय पर खुद की सभाये होती है, या सूर्योदय की सभा के लिए यहां पर होते है। हम आपको यहॉ पर पाकर बहुत खुश है इस भाग... आज हमारी सभा के इस भाग में।

5 लेकिन एक छोटे ईस्टर पर जारी रखते हुये बोलुंगा, आज सुबह, हम आपका ध्यान सन्त यूहन्ना के 21 वे अध्याय और तीसरे और चौथे अध्याय

की ओर दिलाना चाहते है। और बाद में सन्त मरकुस... या सन्त लूका, मेरा मतलब, बीस–... या 49 अध्याय, बस कुछ क्षण के लिये पढना चाहता हूं। पहले, सन्त यूहन्ना 21।

शमौन पतरस ने उन से कहा, मौ मछली पकडने को जाता हूं। उन्हों ने उस से कहा, हम भी तेरे साथ चलते है। सो वे निकलकर तुरंत नाव पर चढे; परन्तु उस रात कुछ न पकडा।

भोर जब होते ही... यीशु किनारे पर खडा हुआ: तौभी चेलों ने न पहचाना कि यह यीशु है।

6 होने पाए प्रभु उसके वचन के इस भाग पर आशिष को जोड़े। फिर, लूका में 49 वा... अध्याय और 27 वे वचन से आरंभ करते हुए।

तब उस ने मूसा से और सब भविष्यद्वक्ताओं से आरंभ करके सारे पवित्र शास्त्रों में से... अपने विषय में की बातों का अर्थ, उन्हे समझा दिया।

और इतने में वे उस गांव के पास पहुंचे, जहां वे जा रहे थे, और उसके ढंग से ऐसा जान पडा, की वह थोडा आगे *बढा चाहता है।*

परन्तु उन्हों ने यह कहकर उसे रोका, कि हमारे साथ रह; क्योंकि संध्या हो चली है, और दिन अब बहुत ढल गया है। तब वह उनके साथ रहने के लिए भीतर गया।

और *जब वह* उन *के साथ भोजन करने बौठा, तो उस ने रोटी लेकर धन्यवाद किया, और* इसे *तोड़ कर उन को देने लगा।*

तब उन की आंखें खुल गई: और उन्होने उसे पहचान लिया;...

7 क्या ही फर्क है! एक जगह वे उस नही जान पाये। और इस जगह, उन्होने उसे जान लिया, उसके कुछ तो करने के द्वारा।

... और वो उनकी आँखो से छिप गया।

और वे आकार और *उन्होने* एक *दूसरे से कहा; तो क्या हमारे* मन *में उत्तेजना न उत्पन्न हुई, जब वह मार्ग में हम से बातें करता था, और... पवित्र शास्त्र का अर्थ हमें समझाता था?*

8 अब हम अपने सिरों को बस कुछ क्षण के लिये झुकायेगे।

9 हमारे दयालु स्वर्गीय पिता, हम आपको इस सुबह के लिये धन्यवाद देते है, इस महान मौके के लिए जो हमारे पास है, ताकि मसीह की उपस्थिती में,

पुनरुस्थान पर एक साथ इकट्ठा हो सके; इस दिव्य संगती के पुरे आश्वासन को पाकर, उसके क्रुस पर चढाये जाने के भागी होने के लिये, दुनिया की चीजो के लिये, उसके साथ क्रुस पर चढ़ाये गए, और अन्नत जीवन में फिर से नए बनकर जी उठे। और अब यह आशा हमारे अन्दर बनी रहती है।

10 और पुराने समय के भविष्यव्यक्ता के जैसे, हम कहते है, “हम जानते है हमारा छुडानेवाला जीवीत है।” “हमेशा के लिये जीवीत है, ऊंचे पर महाराजा के दाहिने हाथ पर बैठा हुआ; एक सच्चा महायाजक, वो एक जो परिक्षाओं से परखा गया और जो हमारे अपराध को अंगीकार करने पर बिचवाई को कर सकता है।” हम आपका इसके लिये कैसे धन्यवाद करे! हमारे हृदय अन्दर ही अन्दर जल उठते है, जब हम सोचते है कि हमारे पास एक है जो आज हमारा प्रतिनिधित्व कर रहा है; आज उस महान और सर्वसामर्थी परमेश्वर की उपस्थिती में है। वो मरा नही है, लेकीन जीवीत है और उसकी उपस्थिती में बैठा हुआ है। और वो हर कही मौजुद है, हर कही पर है, सारी बातों को जानता है; सामर्थ में सर्वव्यापी है, सारी बातों को कर सकता है, सारी बातों को जानता है, और वो हमेशा उपस्थित रहता है। और हम उसका कैसे धन्यवाद करे इस सर्वोच्च और महिमामय सच्चाई के लिये, जिसे हमने आज हमारे हृदयों में थाम कर रखा है, इसका बहुत ही अधिक आनंद लेता हूँ!

11 और, वहां पर, हम हमारे दुर्बलता को अनुभव करने के द्वारा उसे छू सकते है, क्योंकि उसने हमारे लिये दुःख उठाया, हमारी बिमारी को कलवरी पर सहन कर रहा था। हम इसके लिये बहुत ही आनंदित है, आज इसे जानकर, और यह जानकर सीधा आश्वासन जो आज हमारे पास अभी है। वो जीवीत है, हमारे लिये बात करता है, हमें प्रेम करता है। क्या आप उसकी उपस्थिती को लगातार आज हमारे साथ बने नही रहने देगे, इसे एक वास्तविक ईस्टर बनायेगे!

12 और, परमेश्वर, वे लोग जो आज सुबह आपको नही जानते है, जो अनजान है, वे जो मसीह को पुनरुत्थान में नही जानते है, हम प्रार्थना करते है कि वो पूरी भव्य सामर्थ में आकर, उनके जीवन के पापों को उठा लेगा, और उसके बदले में उन्हे परमेश्वर की भली चीजों को दे देगा। प्रभु इसे प्रदान करे। होने पाये कि आज का दिन इसे उत्पन्न करे उस हर एक अविश्वासी के लिए जो दैविक उपस्थिती में हो।

13 देश के सारे स्थानो की सभाओं को आशीष देना, जो इस महान यादगार में आज स्मरणोत्सव में रखी गई है।

14 अब, अपने निष्फल सेवक की सहायता करे, प्रभु, जैसे खुद को हम आपको सौपते है। हर एक को आशिष देना जो यहां पर है। और होने पाये, जब सभा समाप्त हो, हम उसी तरह से कहे, जैसे उन्होने इम्माऊस पर उस दिन कहा, "क्या हमारे हृदय भीतर ही भीतर जल नहीं रहे थे, जब उसने हमारे साथ मार्ग में बातें की? " इसे प्रदान करे, प्रभु, क्योंकि हम इसे उसके नाम से मांगते है। आमीन।

15 परमेश्वर के महान उद्धार की अनन्त योजना, कैसे यह पहले बीते समय में हुआ, जब परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया उसके खुद के लिये वो एक आराधना करने वाला हो, उसने उसे उसी तरह से बनाया, जो वो कर सके। उसके पास आराधना करने की एक इच्छा होगी। और सारे युगों में मनुष्य की लालसा रही है कि वो पीछे उस पर्दे की ओर देखे जो उसके और वो कहां पर जा रहा है, बीच में लटकता है।

16 603 ए.डी में, जब इंग्लैंड के राजा ने सन्त अंगोस्तीन के द्वारा प्रभु यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लिया गया। एक रात बड़ी आग की भट्टी के पास बैठा हुआ था, जब वो उसके साथ मसीह के बारे में बात कर रहा था, एक छोटी सी चिडिया उजियाले में उड रही थी, थोडे समय तक वो इधर—उधर उडती रही, और उडती हुई चली गई। और सन्त अंगोस्तीन ने राजा से कहा, उसने कहा, "वो कहॉ से आया, और वो कहॉ चला गया? " उसने कहा, "ये इसी तरह से है कि हर एक मनुष्य जो इस संसार में आता है। वो यहां आकर एक छोटे से विवेक की चेतनाओं में चलता है, वास्तव में नही जानता है वो कहां से आया है। और केवल एक ही किताब है जो उसे बता सकती है वो कहां जा रहा है, और वो है बाइबल।" और, इस बात पर, उस राजा का परिवर्तन हो गया था और उसने अपने जीवन को प्रभु को दे दिया। और अगली सुबह को, वो और उसके सारे घराने ने प्रभु के नाम में बपतिस्मा लिया था।

17 मनुष्य अपनी स्वाभाविक अवस्था में, वो—वो आत्मिक बातों को नही समझ सकता है। वे आत्मिक तौर से परखे जाते है।

18 और अब मैं चाहता हूं आप जितना नजदीक से सुन सकते है, सुने। मैं जानता हूं यह कठिन है, आप खडे हुये है और ये स्थान लोगों से इस

तरह से भरा हुआ है। लेकिन वचन को सुनने की कोशिश करे, उन लोगों के खातिर जो बीमार है और वे जो पापी है; विशेषकर आज सुबह उन लोगो के लिए वे जो पापी है, और चाहते है कि शांती मिले।

19 गुलामी से आजादी की दावेदारी को हस्ताक्षर किया जा चुका है। आप आजाद है, और बस आप इसे जानते भी नही है। लेकीन इससे पहले विश्वास के पास, एक दैविक विश्राम का स्थान होना अवश्य है । यदि आपका परमेश्वर में विश्वास है, आपके पास कुछ दैविक विश्राम के स्थान का होना है ताकि इसे स्थान में रखे। और इससे अच्छा कोई स्थान नही है, और कोई दूसरा दैविक तरिका नही है, केवल परमेश्वर के वचन के जरिये से ही है। और हम चाहते है कि हमारा विश्वास, सीधे परमेश्वर के लिखित वचन के ऊपर विश्राम करे।

20 अब, मनुष्य उसके शारिरीक अवस्था में और उसकी बुद्धी की धारणा में, वो हमेशा ही अपने आप को परमेश्वर से दूर खीचनें की कोशिश करता है। ऐसा आरंभ से होता आ रहा है, कि मनुष्य दुसरी ओर देखने की लालसा रखता है लेकीन वो एक बन्दीगृह में बंधा हुआ रहता है। कभी–कभी मनुष्य के रीती–रिवाज उसे वहां पर डाल देते है, जो वे रीती–रिवाज अलग–अलग तरीको और मूल भाव से सिखाते है कि कैसे आराधना करना है। और वो मनुष्यों को बन्धुवाई के नीचे डालते है, उसके रिती–रिवाजो के नीचे डालते है। और ऐसा दुनिया के आरंभ से होता आ रहा है, यह इसी तरह होता आया है। और वो बन्दीगृहो में—में बन्द हो गया है।

21 लेकीन मनुष्य हमेशा दूसरी ओर देखने की लालसा रखता है। और कोई भी छोटी सी बात, जरा सी भी आलौकिक दिखाई देती है, मानव जाति उसके लिये दौडने लगेगी, क्योंकि सीमा के उस ओर कुछ एक किस्म की प्रतिज्ञा है, बस मार्ग के उस ओर। और कौन से चीज उसे यह करने को तैयार करती है, वो यह है, क्योंकि वो उसके बनानेवाले के स्वरुप में रचा गया है, जो सर्वसामर्थी परमेश्वर है। उसे बनाया गया था कि वो एक परमेश्वर का आराधना करनेवाला, हो और उसे अवश्य ही किसी स्थान को पाना है जिससे कि उस भावना को बाहर ला सके।

22 और हमारा यहां आज यही उद्देश्य है, इस ईस्टर की सुबह, आपके लिए वास्तविक सच्चाई के सुसमाचार को सामने लाये। किसी के अंदर कुछ भी नही है, किसी भी संस्था में, किसी भी बुनियाद में; केवल उस सुसमाचार

में है, जो बाइबल की साधारण सी सच्चाईयॉ है। मैं विश्वास करता हूं कि यह परमेश्वर का लिखित वचन है। मैं इसे मेरे पूरे प्राण से, हृदय, मन और अस्तित्व से विश्वास करता हूं। और यही है जिसे मैं इसे सामने रखना चाहता हूं, आज यहां हमारे इस छोटे से शहर को, इस महान अद्भुत बात में जिसे मैंने पिछले दस सालों से सारी दुनिया में, जगह लेते हुये देखा है।

23 हमने बहुत बार कोशिश की कि सभाओं को रखें, शहर में चंगाई की सभाओं को रखे: इसलिये नही क्योंकि मैं सोचता हुं कि मेरा यहां पर कोई मित्र नही है। क्योंकि, मेरे मित्र है। और आप मेरे मित्र हो और मैं आपसे प्रेम करता हूं। लेकीन यह तो विचार है कि यह घर है, जहां मुझे लाया गया था। यह मेरा स्थान है, जहां हर एक जन मुझे यहां पर जानता है, और एक तरह से यह इसे कठिन बनाता है। क्योंकि वचन इसी बात को कहता है कि "अपने ही नगर में, या अपने ही लोगों के बीच," और इत्यादि, यह बहुत ही कठिन होता है कि सुसमाचार को सामने रखा जाये। ऐसा सारे युगों में होता आया है और अब इसमें कोई आपत्ति नही होगी।

24 लेकीन, मैं अपने पूरे हृदय से विश्वास करता हूं कि परमेश्वर आज सुबह हमसे सभा को करवाने जा रहा है जैसे कि हमने करने के लिए उससे मांगा है। अब, मैं विश्वास करता हूं कि वो इसे करेगा। इसलिए, यदि वो अपनी महान उपस्थिती और अपनी सर्वसामर्थ के द्वारा करेगा, इसका मतलब है कि वो हमारे मध्य में है। और क्या ही अद्भुत समय है, एक ईस्टर की सुबह पर, पुनरुत्थीत प्रभु यीशु मसीह को यहां मनुष्यों के बीच में चलते हुये देखना, एक अचूक की नाई, पक्का प्रमाण कि वो मुर्दो में से जी उठा है।

25 और यही मेरा दावा है, जिसका मैं दावा करता रहा हूं, कि यीशु मसीह मरा नही है। वो जीवीत है, पुरी तरह से जीवीत, और जीवित रहेगा, हमेशा के लिये जीवीत है। और यदि परमेश्वर केवल हमसे उसके अनुग्रह के द्वारा, ऐसा होने दे, मैं विश्वास करता हुं, जिसे आज सुबह हम आपको साबित कर सकते है, बिना किसी संदेह की छाया में, पवित्र आत्मा की सहायता के द्वारा कि यीशु वास्तव में मुर्दो में से जी उठा है, और ठीक यहाँ पर आज इस इमारत में रह रहा है, ठीक यहाँ पर हमारे साथ है, "संसार के अन्त तक।" उसने इसकी प्रतिज्ञा की है।

26 अब, मनुष्य ने अपने शारीरिक रीति में, उसने जो पहले बनाया... हम ध्यान देंगे कि लोग, अपने अच्छे उद्देश्यो के साथ, एक संम्प्रदाय के

लिए सुसमाचार को लाने की कोशिश करते है, वे कहने की कोशिश करते है, "अच्छा तो, हम कलीसिया जायेंगे।" यह अच्छी बात है। और अच्छे उद्देश्यो के साथ कहते है, "हमारे पास एक—एक संम्प्रदाय की घोषणा करने का *यह* तरीका होगा। हम इन प्रार्थनाओं को बोलेंगे। हम कुछ ऐसी—ऐसी चीज को करेंगे।" लेकिन मसीह का पुनरुत्थान संम्प्रदाय के शामिल होने से बढ़कर है, एक संस्था से बढ़कर है। भले ही, वे जितने अच्छे हो सकते है वे होंगे, और उनके उद्देश्य अच्छे है, लेकिन यह पुनरुत्थीत हुआ मसीह नही है।

27 और यही वो मुख्य बात है, जिसके पीछे हम जा रहे है, आज सुबह, वो अचूक प्रमाण है कि यीशु मृत्यु से जी उठा है।

28 अब, जैसे हमारे लेख कहते है, "वे उसे नही जान पाये।" और आज भी यही बात है।

29 लेकिन मनुष्य ने उसे जानने की लालसा रखी। उन सारे युग में से होते हुए, उन्होने उसे जानने की लालसा रखी। और हमारा आज सुबह का विषय, हमारा... *मेरा छुडानेवाला जीवीत है*, सुबह की सभा में, हम वहां देखते है कि अय्युब, जब वो बहुत बुढ़ा था, और बहुत पहले शुरु में, आंरभ में, उसने उसके सृष्टिकर्ता को जानने की लालसा रखी। दुसरे शब्दो में, उसने कहा, "यदि मैं जाकर और उसके दरवाजे पर खटखटा सकता और उससे बात कर सकता!" किस तरह मनुष्य के हृदय ने ऐसी बातों की लालसा को रखा! और आज, चार हजार वर्षो के बाद, तकरिबन पांच हजार वर्षो से ज्यादा, कितना अधिक मनुष्य का हृदय उसके दरवाजे पर जाने लालसा रखता है, उसके साथ परिचित हुआ है!

30 और फिर, लोग रीती–रिवाजों के द्वारा, उन्होंने महान वचन की बुनियादी सच्चाईयों को देखने से अँधा कर दिया है।

31 अब, यीशु ने उसी बात को कहा जब वो धरती पर था। उसने कहा, "तुम अन्धे, अन्धे की अगुवाई करते हो।" उसने कहा, "यदि अन्धा अन्धे की अगुवाई करता है तो क्या वे सब खड्डे में नही गिरेगें? "

32 अब, मसीही और धार्मिक शिक्षको के लिए "अँधा" उच्चारण करते हुए। देखा? परमेश्वर के पास खुद को लोगो पर प्रगट करने का एक तरीका है, और लोगो पर खुद को ज्ञात करवाने का तरीका है। लेकिन बहुत सी बार, रीती– रिवाज लोगो को बंद कर देते है इससे पहले परमेश्वर को उनके

अन्दर जाने का एक मौका मिल सके, कि खुद को प्रगट करे। समझे? आपने इसे पकडा? देखा? रीती–रिवाज! ओह! जो कि आज है!

33 अब, वे शिक्षक जिसके लिये प्रभु यीशु मसीह बोल रहा था, वे वही रुढ़ीवादी थे। वे सचमुच विद्ववान थे। उन्होने वचन के शब्द को रखा, जो नियम है, बिल्कुल उन्ही शब्दो को; ना ही एक भी बिन्दु को जोड़ते घटाते या कुछ भी इसमे छोडते नही। और उनके पास अवश्य ही यह सिद्व रुप से था।

34 तो, हम हमारी पढ़ाई–लिखाई और हमारे सिध्दांतो में बिल्कुल सही हो सकते है इतना तक मसीह को पुरी तरह से तस्वीर से निकाल ही देते है। हम सची वास्तविकता को पुरी तरह से निकाल कर दूर कर देते है।

35 अब, सो, मनुष्य तक सचाई को पहुॅचाने के लिए, परमेश्वर का, "परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा, पापमय देह की समानता में उसे बनाया," और उसने यहां धरती पर जन्म लिया था। और हमारे पाप के लिए एक—एक के प्राश्चिता था, उस दिन कल... कलवरी पर चढ़ाया गया, जिससे कि हमारे पापों को ले ले; और हमे आजादी को देने के लिए, और हमे बन्दीग्रहों से आजाद करने, जिसमे हम रहे थे।

36 अब, मनुष्य एक कैदी है। परमेश्वर ने कहा कि एक मनुष्य एक कैदी था, तो, जब तक मनुष्य के साथ कुछ नही हुआ होता है। अब मैं चाहता हूं, आप इसे पकड़े। कि ऐसी कोई बात होने से पहले, जिसे नया जन्म कहते है, जब कभी ये मनुष्य के लिए होता है, वो (कभी भी, किसी तरह से भी) नही समझ सकता है, या कभी भी परमेश्वर को नही समझ सकता है, या उसके पास कोई भी परमेश्वर का ज्ञान नही हो सकता है। भले ही वचन इसे बोलता है, उसका मन इसे पूरी तरह से नही समझ सकता है क्योंकि यह एक मनुष्य का मन है। उसके पास उसमें परमेश्वर का मन होना है, जिससे कि परमेश्वर की बातों को समझे। देखा? इसलिये सारी पढाई, सारे विद्यालय, सारी शिक्षा, जितनी अच्छी हो सकती है होगी, फिर भी वे सचे मूल सिद्धांत नही होते है, अब भी।

37 परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा, सुसमाचार को प्रचार करने। यह सही है। वो सुसमाचार अच्छी खबर है। यशायाह 61 में, आपको वचनो की ओर कौन ले जा रहा है, परमेश्वर ने वहॉ पर कहा, बोल रहा है... यशायाह में, असल में, मसीह के आगमन के लिये बोल रहा है। उसने कहा, "परमेश्वर

ने मुझे अभिषेक किया है ताकि सुसमाचार को प्रचार करूं कि खेदित मन को शान्ती दूं; कि बन्धुओं के लिए स्वतंत्रता दूं, और कैदियों के द्वार को खोलू, बंधुओ को छुटकारे दूं।" परमेश्वर ने मसीह को भेजा ताकि मनुष्यों के बन्धुवाई के द्वार को खोले, जो अन्धकार में बैठे हुए है। और यदि आप ध्यान दे वो—वो वर्ग जिसके लिए उसने बोला, "उन्हे स्वतंत्र कर रहा है।" ये अनपढ नही थे। यह विद्ववान थे, वे पढ़े–लिखे थे, मसीह उन्हे आजाद करने के लिए आया था।

38 अब इसे इसलिए ऐसा बनाता है कि छोटे बालक भी समझ जाये। जब मसीह आया... कहता है, उदाहरण के लिए, आज, आप में से हर एक जन को मृत्यु का दंड़ दिया गया था। और आप एक कैदखाने में बैठे हुए थे, यह जानते हुए, कल सुबह सूर्योदय होने पर, तुम्हे मरना होगा।

39 और आप में से बहुत जो पाप से भरे हुए है, और परमेश्वर से दूर है, आज सुबह उस स्थान पर बैठे हुए है। बहुत से लोग, जो सचमुच में अच्छे लोग है, वे आज सुबह उस अवस्था में बैठे हुए है।

40 आप में से बहुत से यहॉ कैन्सर के साथ बैठे हुए है, टयुमर के साथ, अन्धेपन के साथ बैठे हुए है। आप में से कुछ लोग, सब प्रकार की परिस्थितीयों के साथ बैठे हुये है। अब भी, परमेश्वर ने मसीह को बन्दीगृह के दरवाजों को खोलने के लिए भेजा है जिससे कि आपको आजाद करे। आप कहते है, "क्या बीमारी एक बन्धुवाई है? " जी हां।

41 यीशु ने इसे साफ–साफ समझाया, जब उसने उस स्त्री से कहा जो पुरी तरह झुकी हुई थी, उसने स्त्री को चंगा किया; अपने हाथो को उस पर रखा, और वो सीधी खडी हो गयी। और उन्होने गलती को ढूढंना आरंभ किया, उन शिक्षको ने किया। उसने कहा, "और क्या यह उचित न था कि यह स्त्री जो अब्राहम की बेटी है छुडाई गई, इन बन्धनों से आजाद हो गई, जिसे शैतान ने ऐसा किया था? "

42 तो, मसीह हमारा महान छुडानेवाला आया है जिससे कि पुरुष और स्त्रियों को पाप से आजाद करे, और बीमारी से आजाद करे। वो, जब वो कलवरी पर मरा, "उसे हमारे पापों के लिए घायल किया गया था; उसके कोडे खाने से हम चंगे हुये थे।"

43 अब, यही अच्छी खबर है। यही सुसमाचार है। सुसमाचार यह है कि, मसीह पापियों के स्थान पर मरा, उस मसीह ने बीमारों के स्थान को ले

लिया। मसीह ने पापियों के स्थान को ले लिया। मसीह ने चिन्तीत मनुष्य के स्थान को ले लिया। मसीह ने रोगी के स्थान को ले लिया। मसीह ने हर एक स्थान को ले लिया, और हमे सारी बीमारियों और हर एक पाप से आजाद करता है जो शैतान ने हम पर बन्दीगृह में डाले थे। मसीह हमे क्षमा करने आया, आजाद करने। हर एक चीज से आजाद करता है।

44 उन दिनों में, जब गुलाम लोग, जब वे बन्धुवाई में थे, और वे गुलामी में थे, यहां राज्य में। जब अब्राहम लिंकन मरा ताकि अश्वेत लोगों को आजादी मिले, उन्हे अधिकार देने के लिये कि वे और अघिक गुलामी में न रहे, वे सुर्य उदित होने पर आजाद भी हुए थे। वो इसके लिये बहुत ही खुश थे, यह जानते हुए कि जैसे ही सुर्योदय होगा वे आजाद होने जा रहे थे। उनमे से कुछ लोग हट्टे—कट्टे थे, शारिरीक दशा में तंदुरस्त थे, वे ऊपर पहाड पर चढ गए। कुछ सबसे ऊपर की चोटी पर चले गए; और कुछ लोग आधे रास्ते तक ही चढ सके, कुछ लोग सबसे नीचे थे। और जैसे ही सूर्य हल्के से ऊपर आना आरंभ हुआ, सबसे मजबूत लोग वहां ऊपर चोटी पर थे।

45 मैं आज सबसे अधिक मजबूत मसीहो को चाहता हूं, जो पवित्र आत्मा के कार्य अन्दर उठ खडे हो जाये, वे जो केवल धर्मीकरण के नीचे होकर मार्ग पर आते है; वे जो सबसे नीचे गडबडी की घाटी में है।

46 वे उठ खडे हुए। और जब वे जो ऊंचाई पर थे, वे इसे सबसे पहले वहां जाकर देख सके। और जब उन्होने सूर्य को उदित होते देखा, उन्होने अपनी ऊँची आवाज से चिल्लाया, वे लोग जो उनसे नीचे थे, उनसे कहा, "हम आजाद है!"

47 और फिर वे जिन्होने इसे जान लिया और वे नीचे की ओर दुसरे लोगो को जोर से बोलने और चिल्लाने लगे, "हम आजाद है!"

48 और शेष लोग, जो उनके नीचे थे, इसे दुसरों को बताया, "हम आजाद है!"

49 अब देखना। वे लोग जो ऊपरी पहाडी पर सुर्य को देख सके, वे तो आजाद थे। लेकिन जैसे ही खबर उस व्यक्ति को मिली जो नीचे घाटी पर था, वो बस उतना ही आजाद था जैसे उसे हमेशा होना चाहिए, चाहे सूर्य ऊपर आया हो या नही आया हो। आपने इसे समझा?

50 मसीह आया जिससे कि हमे बन्धुवाई से आजाद करे। आपको आदतो की बन्धुवाई में नही रहना है, जो अधूरा मसीह का जीवन है। परमेश्वर नही

चाहता है कि आप इस तरह से रहे। वो चाहता है कि आप आजाद हो जाए। परमेश्वर ने मसीह को आजादी प्रचार करने के लिए अभिषिक्त किया, ताकि बन्दीगृह के दरवाजों को खोल दे। और हर एक समय आप...

51 समझो आप वहां पर बैठे हुए है, और आपको मृत्यु का दंड दिया गया है। और पहली बात जो आप जानते है, वे आपको निश्चय ही फांसी पर लटकाने के लिए ले जाने वाले है, या किसी और तरह से मृत्युदंड देने वाले है। और पहली बात जो आप सुनते हो कि कोई तो वहां रास्ते पर से आ रहा है, कहते हुए, "इसे रोक दो! मेरे पास माफीनामा है। तुम्हे मरना नही है।" अब, आपको रुकना नही है, जब तक आप बन्दीगृह से बाहर नही आते हो। आप बिल्कुल ठीक उसी तरह से आजाद है, जैसे आप बाहर आजाद होंगे। इसलिए मनुष्य जब वो बन्दीगृह में बैठा है बस उसी तरह से खुश हो सकता है, जैसे उसे बन्दीगृह से बाहर खुश होना है, जैसे ही उसे पता चलता है उसके माफीनामे पर हस्ताक्षर को किया गया है।

52 इसी तरह से आज सुबह भी ऐसा ही है। यहां है वो! हर एक स्त्री और पुरुष जिनका एक भूखा हृदय है, कि आज सुबह कैदखाने से बाहर आये, सुसमाचार की अच्छी खबर को प्रचार किया गया है। और कोई फर्क नही पड़ता, यदि आप अब भी बीमार बैठे हुए है, यदि आप अब भी बन्धुवाई में बैठे हुए है, आप बिल्कुल उसी तरह से आजाद हो सकते है क्योंकि खबर आ चुकी है, "आपको क्षमा किया गया है!" मसीह कुछ उन्नीस सौ वर्ष पहले जी उठा, आज सुबह, हर एक कैदी को आजाद करने के लिए यहाँ है, बन्दीगृह के दरवाजों को खोल दिया और उन्हे बाहर निकालाा। ओह, क्या ही अद्भुत बात है!

53 कोई आश्चर्य नही कवि रोमांचित हो उठा जब उसने इसे सुना! उसे प्रेरणा मिली। उसने कहा:

> जीवित रहते हुये, उसने मुझे प्रेम किया, मरते हुये,
> उसने मुझे बचा लिया;
> गाड़ा गया, मेरे पापों को दूर लेकर गया;
> [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... हमेशा के लिए
> आजाद किया;
> किसी दिन वो आ रहा है, ओह महिमामय दिन!

54 विश्वासी की आशा उसके दूसरे आगमन की ओर देख रही है, वो महान

राजकुमार जिसने बन्दीगृह के दरवाजो को खोल दिया और हमें आजाद कर दिया। कर्जा चुकाया जा चुका है। इसे पूरा भुगतान किया गया है। परमेश्वर और पापीयों का एक साथ कलवरी पर मेल मिलाप हुआ था, जब यीशु मरा। और परमेश्वर ने उसे तीसरे दिन जीवित किया, हमारे धर्मीकरण के लिए। कि, जब हम उस ओर देखकर और इसे विश्वास करे, और हमारे पूरे हृदय के साथ ग्रहण करे, हम जीवित परमेश्वर के दृष्टी में धर्मीकरण किये हुए है। निश्चय ही यह आपको भावुक बनाता है! निश्चय ही यह आपको आनंदित बनाता है! कैसे आप अपनी शान्ती को रोक पाएंगे? भला कैसे एक मनुष्य खुद को रोक पायेगा जो ये जानता हो कि उसके सामने वहां मृत्यु लटक रही है, और यहां पर एक माफिनामा आता है? यह सही है।

55 आप किस तरह से सोचते है उस बूढ़े बरअब्बा ने उस सुबह महसूस किया, जब उसने सुना रोमी लोग आ रहा है और उस बडे... गलियारे पर से? जैसे बडे—बड़े लोहे के जुते पहने हुए जोर से पटकते हुये, जंजीरे टकरा रही थी, रास्ते पर भालो को घसीटते हुए; यह जानते हुए कि उसे मार डाला जायेगा, और... जब उसने दरवाजे को खोला! और बरअब्बा कांपता हुआ और रोता हुआ, खत्म होने के लिए तैयार हो रहा था, कहते हुए "ओह, यह मेरा अन्त समय है!",

कहा, "बरअब्बा, मैं पढता हूं, 'तुम क्षमा किए गए हो, आजाद हो।"'

"क्यों," उसने कहा, "क्या मैं नहीं मरूंगा?"

"नहीं, तुम्हे मरना नही है?",

"अच्छा, इसके लिए मुझे क्या करना होगा?"

"कुछ भी नहीं।"

"अच्छा, यह ऐसे कैसे हुआ है?"

56 तब सेनापती उठ खडा हुआ होगा उसकी ओर घुमते हुये कहा, "उस मनुष्य को उस ओर क्रुस पर लटकते हुए देखते हो? उसके चेहरे पर से उस मजाक की थूक को देखते हो? उसके हाथों पर घावों को देखते हो? वे तुम्हारे थे, लेकीन उसने तुम्हारे स्थान को लिया है।"

57 उसने तुम्हारे लिए बन्दीगृह के दरवाजे को खोल दिया है, कि तुम, जिसे मरने के लिए दोषी ठहराया गया था, उसने तुम्हारे स्थान को ले लिया है। और ईस्टर की सुबह परमेश्वर ने हमारे धर्मीकरण के लिये उसे

खड़ा कर दिया। इसलिए, हम धर्मी किये गये है। जब हम उस कहानी को विश्वास करते है और इसे ग्रहण करते है, धर्मीकरण की शान्ती हमारे हृदय के अन्दर उतर आती है, जैसे गहरे पानी की तरंगे लहराने लगती है, किस तरह उसका व्यक्तित्व लहराने लगता है।

58 परमेश्वर हमे बिना सहायक के नही छोडा है। वो जानता था कि आनेवाले दिनों में ये सब उलझा हुआ होगा; शिक्षको और इत्यादि के द्वारा, वचन का, किस तरह से वो इसे मिलावट को करेंगें। लेकीन उसने सीधे—सीधे उसके साथ एक सन्देशवाहक को भेजा, जो पवित्र आत्मा है, जो उसके पुनरुत्थान का प्रमाणित होना है।

59 यदि इसे प्रमाणित करने के लिए पवित्र आत्मा नही होता, तो मैं पुनरुत्थान का विश्वास नही कर सकता था; मेरे पास ज्ञान के सिवा कुछ भी नही होता या मेरे पास दिमागी विचार के अलावा कुछ नही होता। लेकीन आज, हमारे पास... दिमागी विचारधारा ठीक बात है; धर्मशास्त्र ठीक बात है। लेकीन हमारे पास सीधा—सीधाा एक गवाह है। पवित्र आत्मा, जो प्रभु यीशु के पुनरुत्थान का एक गवाह है। इसलिए आज हमारे दिन में लोगों के द्वारा गलत समझा गया है! बहुत ही गलत समझा गया है, लेकिन ये वो आशा है!

60 जब वो वहॉ अंतिम आज्ञा को देता है, जब उसने कहा, “सारे जगत में जाकर और सारी सृष्टी को सुसमाचार प्रचार करो। जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले वो उद्धार को पायेगा; और वो जो विश्वास नही करेगा वो नाश हो जायेगा। जो विश्वास करे ये चिन्ह उनके पीछे जायेगे: वे मेरे नाम से दुष्टआत्माओं को निकालेगें; वे नई भाषा में बोलेगे; यदि वे सर्प या जहरीली वस्तुओं को उठा लेगें, इससे उनकी हानि न होगी; वे बीमारों पर अपने हाथ को रखेंगेऔर वे चंगे हो जायेंगे।” “वही काम जो मैं करता हूं तुम भी करोगे, वरन, उससे भी बढकर करोगे, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूं।”

61 किसी ने कहा, “भाई ब्रन्हम, क्या वो बडी आज्ञा इस दिन तक आ पहुॅची थी? ”

62 निश्चय ही। कहां तक? “सारे संसार के लिये।” कितनो को? “हर एक सृष्टी के लिए।” आप वही पर है। इसे विश्वास करना, इसे ग्रहण करना, यह अनन्त जीवन है।

“मुझे इसे क्यों विश्वास करना चाहिए? ” आप कहेंगे।

63 क्योंकि, यह परमेश्वर का वचन है। यह सही बात है। परमेश्वर अपने खुद के वचन को वापस नही ले सकता है। परमेश्वर एक बार एक वचन को बोलता है। उसे उसके साथ बने रहना होता है। मैं एक शब्द को बोल सकता हूं, और इसे वापस ले सकता हूं; आप भी ऐसा ही कर सकते है। लेकिन परमेश्वर ऐसा नही कर सकता है। जब वो एक वचन को बोलता है, उसे इसके साथ बने रहना होता है। और उसने उन वचनों को कहा, सो परमेश्वर उसके वचन का आदर करता है।

64 और पुनरुत्थान आज एक जीवन–मरण के जैसे ही है, और बिल्कुल उतना ही हर एक मानवीय हृदय के लिये सच्चा है जो इसे विश्वास करते है, जैसे यह मरियम मगदलीनी के लिए था और उनके लिये जो उस सुबह उस कब्र पर खडे थे, जिन्होंने उसे देखा। वो यहां पर है, और वहां उसका नाम, "मरियम" कहकर बुलाया। और उसने यहॉ वहॉ देखा और कहा, "रब्बानी," या, "गुरु!" बिल्कुल यही है जो आज सुबह हर एक हृदय के लिए वास्तविक है, यही वो परमेश्वर की आत्मा से फिर से जन्म लेना है, पुनरुत्थान की सामर्थ के द्वारा, वैसे ही जैसे स्त्री के लिए था जो उस सुबह कब्र पर वो खडी हुई थी।

65 अब, आप इसे अपने खुद के मन से नही कर सकते है। आप इसे नही कर सकते है। आप जैसे एक इमारत पर कागज को रखने की कोशिश कर रहे हो; या इसे रंग पोतने की, जब परिस्थितीयॉ बहुत ही खराब हो, जब बुनियाद को दोषी ठहारायी गयी हो।

66 यदि सरकार एक घर को दोषी करार कर देती है, उसकी बुनियादे सड गई हो, आप भला कैसे उस पर इमारत बना सकते है? आप तो केवल उसे गिरने के लिये बना रहे है। कोई मतलब नही आपने अन्दर से कितना रंग लगाया हो, आपने इस पर कितना अच्छा कागज चिपकाया हो, आप ने उसके ऊपर कितने भी नाम के तख्ते क्यों न डाले हो, आप कितने भी पवित्रस्थल खड़े करे, कितने क्रूस आप इस पर डाले, इसे गिरना ही है, क्योंकि बुनियाद ही गलत है। बुनियाद सडी हुई है।

67 और मनुष्य, उसके खुद के मानसिक सोच का तरीका, आरंभ से ही गलत है। वो परमेश्वर से एक भिन्न स्वभाव का व्यक्ति है। वो कट कर अलग हो जाता है, बिना आशा के, बिना परमेश्वर के, बिना दया के।

68 और केवल एक ही बात को वो कर सकता है कि उसे आकर और

मसीह को ग्रहण करना है। और तब पवित्र आत्मा अन्दर आता है, और वो मन, जो मसीह में था, वो तुम में होता है।

69 यीशु ने कहा, “वो पिता, जिसने मुझे भेजा, वो मेरे साथ है।” ओह, प्रभु! क्या ही जाहिर करना है! क्या ही वचन है! “वो पिता, जिसने मुझे भेजा, मेरे साथ होता है।”

70 ध्यान देना! “और जैसे पिता ने मुझे भेजा, वैसे ही मैं तुम्हे भेजता हूं।” वो केवल, तुम्हे भेजेगा ही नही है, लेकीन वो तुम्हारे साथ जाता है। “मैं तम्हारे साथ रहुंगा, यहाँ तक तुम में रहुंगा, संसार के अन्त तक।” जो कुछ परमेश्वर में था, मसीह में उंडेल दिया था; और जो कुछ मसीह में था, वो विश्वासी के अन्दर उण्डेल कर खाली कर दिया, वो कलीसिया। परमेश्वर तुम्हारे साथ है। “देखो, मैं तुम्हारे साथ हमेशा रहुंगा; यहाँ तक संसार के अन्त तक साथ हूं। यही वो परमेश्वर के वचन की घोषणा है। यही है, जो बाइबल कहती है। यही है, जो मैं विश्वास करता हूं।

71 और यदि हमे अकेला ही खडा रहना पडता है, खड़े रहो, क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है। हर एक व्यक्ति वो कही भी होने दो, अकेले खडे रहना है, केवल उसके पक्के भरोसे के साथ। यह कोई भागीदारी में नही है। वहां केवल एक ही है, जो आपके साथ चलेगा, और वही है, जिसने इस कथन को दिया। प्रभु यीशु, वही वो एक है जो घाटी में आपके साथ चलते हुए राह को बनायेगा। वो हर एक कंटीली झाडी के पथ में से होकर और आपके कारण, हर एक पहाड पर चढ़ेगा।

72 अपना जुआ उसके साथ आप ले लो, “क्योंकि मेरा जुआ हल्का है और मेरा बोझ आसान है।” संसार के वस्तुओं के साथ जुआ मत लेना। विभिन्न सामाजिक और संस्थाओं के साथ जुआ मत लेना। अपना जुआ सच्चाई से प्रभु यीशु मसीह के साथ ले लो, यही वो विधी है, जो आप कर सकते है। विश्वास करो, और पुनरुत्थान को देखो।

73 अब, वे प्रेरित, वो भी मनुष्य ही थे, जो मसीह के साथ चले थे, जिन्होने उसके साथ संगती की, जो स्वाभाविक रुप से साथ में चले; जैसे आज के मनुष्य है। लेकिन वे पहचानने से चूक गये, वो कौन था।

74 यीशु ने कहा, “वे अन्धे फरीसी जन।” उसने कहा, “ओह, तुम परमेश्वर की आज्ञाओं को लेते हो,” ध्यान देना, “और उन्हे अपने रीती–रिवाजों के द्वारा बेअसर बना देते हो।” समझे?

75 वहां पर वे थे, शिक्षक, विद्ववान, सेमिनरी के विद्यार्थी! और वचन ने साफ—साफ बताया कि यीशु को उसी तरह से आना है जैसे वो आया, लेकिन उनके रीती–रिवाजों ने उन्हे इस तरह से नही सिखाया। उन्होने इसे पुरी तरह से मिटाने की कोशिश की, और कहते है, "*यह* किसी और समय के लिए था। और *यह* किसी और समय के लिए होगा।" लेकिन परमेश्वर बिल्कुल उसी तरह से आया।

76 और, आज, जैसे यह तब था, वैसे ही अब भी है। वे *इस* भाग को एक तरफ कर देते है, और *उस* भाग को एक तरफ कर देते है, और कहते है, "परमेश्वर ने ऐसा तब किया; वो अब ऐसा नही करेगा। यह इस दिन के लिए नही है।"

77 "वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" यही वो वचन है। यही है जो हम सचाई होने का विश्वास करते है। यही है जो हम सचाई होने के लिए ग्रहण करते है। वो आचरण में हमेशा ही एक सा होता है। वो सामर्थ में एक सा होता है। वो प्रेम में एक सा होता है। वो हर तरफ से एक समान होता है, जैसे वो तब था। अब वो कलीसिया के साथ आया है, जैसे परमेश्वर ने उसे भेजा और उसके साथ गया। तो...

78 और परमेश्वर ने उसे जिलाया। यदि परमेश्वर उसके साथ नही होता, वो उसे तीसरे दिन पर नही जिलाता। इसलिए, पिता जिसने उसे भेजा, वो हमेशा उसके साथ था, उसके साथ कब्र में गया, और तीसरे दिन पर उसे जिलाया।

79 अब, "जैसे पिता ने मुझे भेजा," उसने कहा, "वैसे ही मैं तुम्हे भेजता हूं। मैं तुम्हारे साथ रहुंगा, तुम में रहुंगा, हमेशा, संसार के अन्त तक।" पुनरुत्थान पर, जब हमारा ईस्टर आता है, वो वहां पर बिल्कुल वैसा ही होगा, जैसे परमेश्वर ईस्टर की सुबह को वहां पर था, जब उसे मुर्दो में से जिलाया।

80 अब, उस का एक प्रतिक, इसे वो लेकर आया। इससे पहले एक पुनरुत्थान हो सके, वहां पर एक मृत्यु को होना है। क्योंकि, एक बात को होना है, फिर पूरी तरह जाकर और उसके बाद एक पुनरुत्थान को होने के लिए वापस आना है। इसका मतलब, "वापस लाना," होगा।

81 और इससे पहले मनुष्य पुनरुत्थान में मसीह के साथ जिलाया जा सके, उसे खुद के लिये मर जाना होगा; मरना होगा, उसके सारी संसारिक

संबंधित बातों के लिए; मरना होगा, उसके सारी संसारिक आदतो के लिए; मरना होगा, हर एक बात जो दुष्ट है; और, नये सिरे से पुनरुत्थान होना है।

82 फिर, पवित्र आत्मा के लिये खाली होते हुए, अपने आप से खाली होते हुए; और अन्दर आना; मतलब, पवित्र आत्मा अन्दर आकर, उस स्थान को भर देता है। फिर वो परमेश्वर पर विश्वास करने के लिए अधीन हो जाता है। तब वो वैसे ही देखता है, जैसे परमेश्वर देखता है। वो वैसे नही देखता, जैसे शिक्षक देखते है। वो वैसे नही देखता है, जैसे कलीसिया का सदस्य देखता है। वो वौसे देखता है, जैसे परमेश्वर देखता है। उसके बाद वो देखता है कि मसीह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है। तब वो उस परमेश्वर की सामर्थ को बिल्कुल वैसे ही देखता है जैसे यह तब थी।

83 और उसकी पुरानी शारीरिक अवस्था में, आप उसे पढा–लिखा सकते है, उसे चमका सकते है, उसे धर्म विद्या का ज्ञान दे सकते है। यह उसे सबसे अच्छी कलीसियाओं में रख सकता है, उसे सबसे अच्छी कुर्सीयॉ दे सकता है, अच्छे सदस्यों को। वो कभी भी अलग नही होगा जब तक वो पहले मरता नही है, उसके बाद फिर से उसे नये सिरे से जिलाया जाता है। और वो पवित्र आत्मा जिसने उसे बुलाया है और उसे भेजा, वो उसके साथ होता है, यहॉ तक युग के अन्त तक होता है। आमीन। ओह, मैं जानता हूं यह चौकाने वाली बात है, लेकिन यही सच्चाई है।

84 फिर, यदि मसीह आज हम में था, वो उन्ही कामों को करेगा, जो उसने किए जब वो यहां धरती पर था। यदि आज प्रभु यीशु मुर्दो में से जी उठता है, और हमारे मध्य में रहता है, और कहता है, "वही काम जो मैं करता हूं, तुम भी करोगे, क्योंकि संसार के अन्त तक मैं तुम्हारे साथ रहुंगा।" "उसके बाद, प्रमाणित करने का केवल यही एक ही तरीका है कि वो मुर्दो मे से जी उठा है या नही। ऐसा ही है, जब कलीसिया, जो यह विश्वास करती है कि, मसीह अपनी उसी पुनरुत्थान की सामर्थ के द्वारा खुद को उस कलीसिया पर प्रकट करेगा। इसे ऐसे ही होना है, दोस्तो।

85 इसे या तो परमेश्वर का वचन है या यह एक भरमाने वाली किताब है। यह सही है। ये या तो सही है या तो गलत है। और ये या तो पूरी तरह से सही है या तो पूरी तरह गलत है। हर एक वचन प्रेरणा से आया है या तो उसमे से कुछ भी प्रेरणा से नही आया है। मैं इसे विश्वास करना चाहता हूं।

86 पौलुस ने कहा, "मैं तुम्हारे पास लुभानेवाले शब्दों और मनुष्यो की ठग

विद्या के ज्ञान के साथ कभी नही आया; क्योंकि, यदि मैंने ऐसा किया है, तब आपका विश्वास मनुष्यो के ज्ञान पर बनेगा। लेकीन मैं तुम्हारे पास, परमेश्वर के सामर्थ के सुसमाचार को प्रचार करने के लिए आया हूं, प्रभु येशु का पुनरुत्थान, जो आपके विश्वास को अटल करेगा।" पौलुस कभी भी कुछ शिक्षा संस्था के अनुभव के साथ नही आया, यहॉ—वहॉ से चमकाते हुये, और उसमें से निकाले और जोडते हुए।

87 उसने कहा, "मैं केवल एक ही बात को जानकर आया हूं; मसीह क्रुस पर चढाया गया। मैं केवल एक बात को जानते हुये आया हूं, आपको पुनरुत्थान की सामर्थ का प्रचार करूं, कि यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" और गलतियों 1:8 में, उसने कहा, "यदि कोई भी दूत उस तुम्हे कुछ और ही प्रचार करे तो श्रापित हो।" यह सही है।

88 अब क्या वो जी उठा? हम आज सुबह यहां पर है इस सवाल पूछने के लिए। क्या वो जी उठा?

89 अब, आज का सार्वजनिक समारोह कहता है, सारे संसार भर में। और वे जहाँ कही भी जाते है… उनमे से कुछ लोग प्रार्थना की माला के साथ जाते है, उन कथन को कहते हुये। यह उनके ऊपर है। दूसरे लोग यहॉ—वहॉ जाकर, बडी संस्थाओं की बढाई करते है, जिनसे वो तालुक रखते है। यह उनके ऊपर है। दूसरे कुछ लोग बडे—बडे क्रुस लगाते है और पियानो और उपकरण होते है और बढिया कलीसिया की इमारते है और कहते है, "देखो, हमारे पास क्या है! शहर की सबसे उत्तम लोग हमारे कलीसिया में आते है।" यह सब ठीक बात है। यह उनके ऊपर है।

90 लेकिन मैं प्रभु यीशु के पुनरुत्थान को छोड और कुछ भी नही जानता; या तो यह एक खलियान में हो, या यह अस्बतल में हो, यह जहां कही भी होने दो। मैं आपके बीच पुनरुत्थान को छोड और कुछ भी नही जानना चाहता। मैं नही सुनना चाहता कि आप कितने अच्छे है; क्योंकि आप आरंभ से ही अच्छे नही है। हम आरंभ से ही अच्छे नही है। केवल एक ही बात को मैं जानना चाहता हूं, वो है प्रभु यीशु मसीह का पुनरुत्थान, जो मनुष्य के हृदय में रहा है। फिर, यदि मसीह मरा गया, हां, मरा नही, लेकिन फिर से जीवित हुआ है, तब वो हमारे साथ है। फिर, वही काम जो उसने किये थे जब वो यहां धरती पर था, वो उन कामो को उत्पन्न करने के लिये बाध्य है, उसके वचन के अनुसार। वो है। और जब वो काम धरती पर फिर से

उत्पन्न होते है, वही काम...

91 अब, जब वो यहां पर था, उसने एक बड़ा चंगाई देने वाला होने का दावा नही किया। क्या उसने किया? उसने कहा, वो एक चंगाई देने वाला नही था। उसने कहा, "मैं अपने आप से कुछ नही करता हूँ। मैं कुछ नही करता जब तक मैं पिता को इसे करते नही देखता; और पुत्र उसी प्रकार से करता है।"

92 वो बेतहसदा के तलाब के किनारे से होकर गुजरा, जहां लोगों का बडा झुण्ड पडा हुआ था, अपाहिज, अन्धे, लंगडे, अविकसित, झुके हुये, मुरझाये हुए, पानी के हिलने का इन्तजार कर रहे थे। और यहां पर इम्मानुएल आता है, यहाँ पर यीशु आता है, सद्गुण से भरे वस्त्र।

93 एक स्त्री ने उसके वस्त्र को छुआ, उसके कुछ ही दिन पहले और वो हर एक समस्त कण—कण से चंगी हो गई थी। स्त्री ने उसे छुआ, और दौडकर उस भीड में आ गयी और बैठ गई, या जो कुछ भी यह था। यीशु रुक गया और इधर—उधर देखा। कहा, "मुझे किसने छुआ? "

94 "क्यों," कहा, "गुरु, भीड़ की ओर देखे! हर एक जन आपको छू रहा है।"

95 उसने कहा, "हाँ, लेकीन मुझे—मुझे कमजोरी लग रही है।" उसने कहा, "कुछ तो हुआ है।"

96 और उसने यहॉ—वहॉ लोगो की ओर देखने लगा, जब तक उसने स्त्री को पा नहीं लिया। उसने कहा, "अब तुम्हारे विश्वास ने उस लहू की बीमारी से तुम्हे चंगाई दी है।" देखा? उसके विश्वास ने उसे छु लिया।

97 यह कल का यीशु था। यही आज का यीशु है। जो हमेशा ही यीशु रहेगा। जब तक एक चंगाई की आवश्यकता होगी, वहां चंगाई देने के लिये एक यीशु ही रहेगा। जब तक बचाये जाने के लिए पापी होगा, उसे बचाने के लिए एक यीशु रहेगा। यही है वो।

98 जब वो बडी भीड़ के पास से होकर गुजरा, उस तरफ गया और एक मनुष्य को जो एक चटाई पर पडा हुआ था उसे चंगा किया, चलकर आगे चला गया और वहां उसे छोड दिया। इसलिए, यहूदियों के चेले, उन्होने कहा, "क्यों, वहां पर देखो, उस भीड की ओर देखो! वो वहां पर क्यों नही गया और *इसे* क्यों चंगा किया? मैं इसे विश्वास करता।" और इसी तरह

से इत्यादि, उन्होने उससे सवाल किया। उन्होने इस मनुष्य को सब्त के दिन अपनी खाट को उठाते देखा था।

99 उसने कहा, "मैं तुमसे सच—सच कहता हूं, पुत्र अपने आप में कुछ नही कर सकता है।"

100 देखा, वो सारी स्तुती कहॉ दे रहा है? कोई भी परमेश्वर का सच्चा आत्मा इसी बात को करेगा। ये हर समय परमेश्वर को स्तुती देगा।

101 कहा, "पुत्र अपने आप में कुछ नही कर सकता है। लेकीन जो मैं पिता को करते हुए देखता हूं, वही वे काम है जो मैं करता हूँ। पिता कुछ तो करता है, और वो मुझे दिखाता है, और मैं इसे करता हूं।"

102 यदि वो तब का यीशु था, इसे आज का यीशु होना है। यह सही है।

103 वो लोगो के लोगो की सभा में खडा हो गया, और वो उनके विचारों को समझ सकता था। वो जानता था उनके साथ क्या गलत है। उसने उसके लोगो की ओर देखा, बहुत सी बार और कहा, "क्यों तुम अपने हृदय में सोच विचार रखते हो और कुछ अलग ही बातों को कहते हो? "

104 एक समय, एक स्त्री कुँए पर उसके पास आयी, उसने कहा, "मुझे पानी देना।"

105 स्त्री ने कहा, "क्यों, यह प्रथानुसार नही है कि आप यहुदी लोग, हम सामरियों से इस तरह से मांगे।" कहा, "हमारा कोई व्यवहार नही है।"

106 कहा, "लेकिन यदि तूम जानती कि तूम किससे बात कर रही हो, तू मुझसे पानी मांगती।"

"ओह, अब," स्त्री ने कहा, "भला कैसे यह—यह कैसे हो सकता है? "

और उसने कहा, "जाकर अपने पति को लेकर आओ।"

स्त्री ने कहा, "मेरा कोई पति नही है।"

107 कहा, "यह सही है, तेरे पाँच पति है।" और कहा, "जिसके साथ तू अब रह रही है, वह भी तेरा पति नही है।"

108 स्त्री ने कहा, "श्रीमान, मैंने जान लिया है कि आप एक नबी है।" स्त्री ने कहा, "अब, मैं जानती हूं कि यह मसीह का चिन्ह होगा।" स्त्री ने कहा, "मैं जानती हूं कि जब मसीह आयेगा, वो हमे इन बातों को बतायेगा, लेकिन आप कौन हो? "

उसने कहा, "मैं वही हूं, जो तुमसे बात कर रहा है।"

109 आप वही पर है। यह क्या था? मसीहा का एक चिन्ह। आमीन। ध्यान देना। और वहां पर, उन्होने इसे गलत समझा। उन्होने नही समझा इसका क्या मतलब है। इसने उनकी आंखो को अन्धा कर दिया। उसके अद्भुत कामों और बातों ने उनकी आंखों को अन्धा कर दिया।

110 और आज भी ऐसा ही है। यही बातें उनके शारीरिक मन को अन्धा कर देगी, क्योंकि ये परमेश्वर की बातों को समझ नही सकते है। यह परमेश्वर के विरुद्ध है। ये परमेश्वर का शत्रु है। मनुष्य का मन परमेश्वर का शत्रु है। आपकोअपने खुद के मानविय मन से बाहर आना होगा, और एक नये सिरे से जन्म लेना होगा, पवित्र आत्मा के द्वारा, और परमेश्वर के मन को आपके अंदर लेना है। तब आप उन बातों पर विश्वास कर सकते हो। फिर ये एक वास्तविक बनता है। आमीन।

111 अब ध्यान देना, फिर, जब वो यहां पर था, जिन कामो को उसने किया। जब वो दूर हो रहा था, उसने उसकी कलीसिया से कहा, उसके पुनरुत्थान के बाद, उसने कहा, "देखो, मैं तुम्हारे साथ हमेशा रहुंगा, यहाँ तक संसार के अन्त तक भी रहूँगाा।" उनकी आंखे खुल गई थी। वे इसे समझ गये।

112 पतरस और वे लोग, इससे पहले; उसके साथ एक घनिष्ठ मित्रता होने के बाद, वो उसके साथ चला था, उसके साथ बातें की। और पतरस ने कहा, "ओह, मैं बहुत ही निराश हूं! वहां इस मृत्यु के बाद, और उन्होने उसे गाढ दिया। मैं—मैं बहुत ही निराश हूं। मैं सोचता हूं, मैं अब मछली पकडने जाऊंगा।"

113 तो चेले जो वहां आस–पास खडे थे, और उन्होने कहा, "हम भी तेरे साथ चलेंगे। तो, दूर, उन्होने उनके जाल को डाला। निराशापूर्वक! विश्वासी, एक समय, दिमागी धर्म ज्ञान। उन्होने स्वाभाविक रुप में एक समय विश्वास किया। लेकिन, जब एक छोटी परिक्षा सामने आयी, वे सब टुट गए।

114 अब यहां, मेरा आपको चोट पहुॅचाने का उद्देश्य नही है लेकीन मैं आपका सुधार करना चाहता हूँ। समझे? यह केवल दिखाता है कि जब एक मनुष्य के पास दिमागी विश्वास होता है, यह कहने के द्वारा, "हाँ, यह परमेश्वर का वचन है। हां, मैं विश्वास करता हू परमेश्वर ने आज के दिन

यीशु को जिलाया।" तब, यही है जो आपने सब पाया है। पहले छोटी सी निराशा आपके कलीसिया में ऊपर आने लगती है, आप बहुत दूर, बाहर होते जाते हो। समझे? तुम उसके एक अच्छे मित्र हो सकते हो, लेकीन तुम उसे उसकी पुनरुत्थान की सामर्थ मे नही जानते हो।

115 पेंटीकोस्टल के बाद, एक बार भी प्रचारक पतरस ने ऐसा नही किया, उसने इस तरह से किसी भी चीज को कभी नही कहा। जब वे उसे खत्म करने के लिये तैयार हुए, वे उसे एक क्रुस पर लटकाने जा रहे थे। उसने कहा, "मैं यहाँ तक इस तरह से मरने के योग्य भी नहीं हूं। मेरे पैरो को ऊपर की ओर घुमाओ; मेरा सिर नीचे की ओर करो। क्योंकि, मेरा प्रभु उस स्थिती में मरा, उसका सिर ऊपर था। हां, कभी नही, कभी नही। समझे? वो उस वक्त मसीह के साथ था, लेकिन बाद में मसीह पतरस मे था। उस वक्त पतरस नेतृत्व कर रहा था और पवित्र आत्मा आने के बाद, फिर पवित्र आत्मा नेतृत्व कर रहा था। पतरस दृश्य में नही था, तब पवित्र आत्मा ने चला रहा था।

116 अब यदि आपको... यदि आपके पास अच्छे सोच–विचार है, आप बैठ कर और बाइबल पर विचार करने की कोशिश करेंगे, "वो किस तरह से मृत्यु मे से जी उठ सका? कैसे यह चिन्ह और अद्भुत कार्य आज जगह ले सकते है, इस बडे विकसित सामाजिक क्षेत्र में, विज्ञान जिसमे हम रह रहे है?" आप इस पर कारण ढूंढने की कोशिश करते है, आप बस परमेश्वर से और अधिक दूर होते जाते है, हर समय। आप कभी भी तर्क–वितर्क करने के द्वारा उसे नही जानेगे। परमेश्वर तर्क–वितर्क से नही जाना जाता।

117 परमेश्वर विश्वास से जाना जाता है। आप इसे स्वीकार करे। आप इसे विश्वास करे। आप इसे नही कर सकते है जब तक आपके अंदर कुछ होता नही है, तब पवित्र आत्मा अन्दर आता है और आपके पास मसीह का मन होता है।

118 ध्यान देना। उन्होने सारी रात मछली पकडी और कोई मछली नही मिली। बहुत ही निराशा होते! अगली सुबह, प्रात:, सूर्य उदय होने के सभा के समय पर, उन्होने नदी के उस पार देखा और वहां यीशु खडा था। लेकीन उन्होंने उसे नही जाना। यही वो निराशा का भाग है। वे उसे नही जान सके।

119 एक रात, छोटी सी पुरानी नाव बस डूबने पर ही थी, वहां समुद्र पर,

उस तूफान में। और यहां प्रिय प्रभु उनकी ओर चलकर आया। उन्होने कहा, "ओह, दूर हटो, यह एक भूत है, यह डरावना है, हम इसके साथ कुछ भी लेना-देना नही रखना चाहते है। वो बात जो केवल उनको सहायता कर सकती है, वो उनके नजदीक था, और वो इससे डर रहे थे।

120 और यही बात मैं आप लोगों से आज कह सकता हूं, जिन्होने कभी भी पवित्र आत्मा को नही पाया है। मैं महसूस करता हूं कि कलीसिया के श्रेत्र मे, हमारा बहुत ही मजाक उड़ाया गया है, हमारे पास बहुत से ऐसे लोग है जो पवित्र आत्मा होने का दिखावा करते है, जबकि उनके पास ये नहीं होता है। यह सही है। वैसे ही आपके क्षेत्र में वहां पर भी ऐसे लोग होंगे, कलीसिया के सदस्य होने दावा करते है, पर वे नही होते है। यह सही है। इसलिए जहां पर भले है, वहां एक बुरे है। इसे याद रखना। जहां एक नकारात्मक है, वहां पर एक सकारात्मक है। जहां एक नकली डॉलर है, वहां पर एक असली है। और जहां पर कोई तो होता है जो मजाक उडाता है और पवित्र आत्मा के होने का ढोंग करता है, वहां पर एक सच्चा पवित्र आत्मा होता है। यह ध्यान रखना।

121 और यही वो चीज है जो आपको मदद करेगी; यही चीज आपको आजाद करेगी; वो चीज जो आपके बन्दीगृह की आदतो से बाहर करेगी; आपको आपके डर और परेशानी के बन्दीगृह से बाहर करेगी; वो चीज जो आपको कैन्सर से दूर कर देगी और यही आपको फिर से जीवित सृष्टि बनायेगी; यही चीज आपको अन्तिम दिनों मे उठ खडा करेगी; जो ठीक आपके पास खडी होती है, और आप जिससे डरे हुये होते है। डरो मत। यह वही है।

122 "यह मैं हूं" उसने कहा। "डरो मत यह मैं हूं।" लेकिन वे इससे डर गए थे; वे इसके लिए उसके वचन को लेने से डरे हुए थे। उसने कहा, "यह... डरो मत। यह मैं हूं।"

123 यीशु ने उनसे पुछा क्या उन्हें कोई मछली मिली थी। उन्होने कहा, "नही।" कहा, "हमने सारी रात परिश्रम किया।" और वे किनारे पर आए और मछली को पाया, पकाया और उनके लिये तैयार करके रख रहे थे। उन्होने जान लिया, यह चमत्कार के द्वारा हुआ, यह वही था।

124 दो और थे, जब वे इम्माऊस के रास्ते पर चलते हुए जा रहे थे। अब ध्यान से देखना, जैसे हम समापन कर रहे है। एक दिन इम्माऊस के रास्ते पर, पुनरुत्थान के बाद, वहां दो जन थे: एक किलोपास था और उसका

मित्र था। आज की तरह एक सुंदर सब्त की सुबह थी, वो पहला सुंदर ईस्टर।

अब नजदीक से, वचन की ओर घ्यान से देखे। तैयार रहे।

125 और जब वे पहले ईस्टर की ओर ध्यान से देख रहे थे, टूटा हृदय, निराशाजनक क्योंकि एक निराशाजनक बात हुई थी।

126 आज यहां पर स्त्रीयां और पुरुष हो सकते है, जो इस ईस्टर की ओर ध्यान से देख रहे है, क्योंकि कुछ निराशा हुई है, कुछ तो बात ने जगह ली है। लेकीन, बस ध्यान रखे, प्रभु यीशु आज कब्र से बाहर है। वो लोगों के बीच मे जीविता है।

127 बहुत बार ऐसा हुआ, जब मैं स्कुल में था, मैंने वनस्पती शास्त्र की पढाई की है। मैं हमेशा ही वनस्पती शास्त्र को पढ़ा है, मेरे लिये, यह पौधा का जीवन नही है, ये बहुत कुछ है; उसकी ओर देखना किस तरह से पौधा बढ गया और सूर्य किस तरह से आता है और इत्यादि। वनस्पती शास्त्र, मेरे लिए वो है जिसने इसकी सृष्टि की, जो बनाने वाला है, जिसने पौधो को बढने के लिए बनाया। ओह, क्या ही वो सुन्दर ईस्टर के फूल है! उन की ओर देखना। ओह, प्रभु! वे सुंदर फूल जो चारो ओर लगे हुए रहते है, कोई भी उनमे से एक के चेहरे में देखकर और यह नही कह सकता कि कोई परमेश्वर नही है और वो दिमागी रुप से सही हो।

128 और यहां पर वे है, अब निराशाजनक, वापस घर जाते हुए। "अच्छा, तो हम निकल चुके है। हमने सोचा सब ठीक हो जाएगा, लेकिन अब हमें वापस घर जाना होगा, फिर, रास्ते की ओर वापस इम्माऊस के लिए।" और वे साथ—साथ चलकर जा रहे थे, निराशाजनक, वे...

129 उनकी बातचीत सही थी। वे उसके बारे में बात कर रहे थे। तभी वो पहुंच गया।

130 और यही वो कारण है कि वो हममे से आज बहुतों के पास नही पहुंचता है, हमारी बातचीत मसीह को छोड बहुत सी दूसरी और चीजों के बारे में होती है। हम हमेशा उस विषय पर बात करते है, जब हम काम को पूरा करने जा रहे होते है, या जो हम यहॉ करने जा रहे होते है। आपकी बातचीत मसीह पर होने दो। तभी वो वहां पहुंच जाता है, जब तुम उसके बारे में बात करते हो। उसके बारे में बोल रहे होते हो।

131 वे साथ—साथ चल रहे थे, उसके बारे में बात करते हुए। जी हाँ, अब भी वे उससे प्रेम करते थे, वे नही जानते थे कि वह मुर्दो में से जी उठा है।

132 और बहुत से लोग, जो आज सचमुच में प्रभु यीशु से प्रेम करते है, जो बाहर इन सारे संसार में हर कहीं बडी—बड़ी कलीसियाओं में है, वे प्रभु से प्रेम करते है, लेकीन वे सचमुच में नही जानते है कि वो मुर्दो से जी उठा है।

133 ध्यान देना, जब वो उनके साथ—साथ गया, एक अजनबी झाडीयों से बाहर आया और उन्हे अभिवादन किया, "सुप्रभात," संभवत है। और वे सब दुखी थे, टुटे हुये, कह रहे है, "ओह, मैंने उससे प्रेम किया है। मैंने उसे लाजरस के कब्र के पास खडे हुये देखा है, जब एक मनुष्य चार दिनो से मरा हुआ था, और जिसने कहा, 'लाजरस बाहर आ।' ओह, वो मनुष्य भला कैसे चूक सकता है? वो भला कैसे हमे इस तरह से कभी उदास छोड सकता है? और अब हम लज्जित और अपमानित खडे हुए है? हम वापस घर जा रहे है जिससे कि हम हमारे मछली पकडने और सुतार के काम को फिर से आरंभ करे।" देखा?

134 क्या ऐसे ही वो आज के आधुनिक मसीह नही है? ओह, चंगाई को जगह लेने दो और वे जीत को चिल्लाने लगते है। पवित्र आत्मा की सामर्थ को गिरने दो, और वे जीत को चिल्लाने लगते है। और वे जो सचमुच पवित्र आत्मा के साथ भरे हुए है; वे अपने जीवन की यात्रा में उसी तरह वहॉ बने रहते है।

135 लेकिन वो व्यक्ति जो अब भी शारीरिक मन के साथ चलने लगता है; थोडी सी निराशा ऊपर आने दो, कुछ तो गलत होने दो, और वे वहॉ दूर जाने लगते है कहते हुए, "खैर, मैंने तो सोचा था यह सब सही है, लेकिन ओह, अब इसे देखता हूं। मैंने सोचा कि वो छोटी सी कलीसिया कभी नही चूकेगी। मैंने सोचा यह व्यक्ति... " आपने अपने मन को गलत बात पर लगाया है। समझे? अपने मन को उस पर रखो, जो चूक नही सकता है। आपकी बातचीत, आपके कलीसिया के बारे में नही होने दो, लेकिन आपके प्रभु के बारे में होने दो। वही वो एक है। ना ही अपने पडोसी के बारे में, लेकिन आपके प्रभु के बारे में हो। आपकी बातचीत उसके लिये होने दो।

136 तब, जैसे उन्होने साथ—साथ यात्रा की, बातचीत करते हुए; अचानक ही एक व्यक्ति, बस एक साधारण सा व्यक्ति...

137 वो एक बडा धर्मशास्त्री नही था। वो पढा–लिखा नही था। उसके पास कोई शिक्षा नही थी। जहां तक हम जानते है, वो अपने जीवन मे वो एक दिन भी विद्यालय नही गया, लेकिन उसके पास अब तक के रहे, किसी भी व्यक्ति से बढकर बुद्धिमत्ता थी। जब फरीसीयों ने उसकी बुद्धिमत्ता को देखा, उन्होने कहा, “वो कौन से विद्यालय गया है? वो कहां से आया है? तुम्हे ये शब्द कहां से मिलते है? वो *इसे* कैसे करता है? हम... हमारी शिक्षा संस्थाओ पर कभी भी नही आया है। वो हमारे लोगो की जैसे बात नही करता है। ये शब्द कहां से आते है?” और वहां अपमानित हुए थे क्योंकि उसने उनके झुण्ड से संबंध नही रखा। उसने खुद को उनके साथ सम्मलित नही किया। वो ध्यानाकर्षी खडा रहा, क्योंकि वो परमेश्वर था।

138 वहां पर वो खड़ा था, और अपने आप को ज्ञात करवाया। उसने कहा, “यदि तुम मुझ पर विश्वास नही कर सकते, तो उन कामों पर विश्वास करो, जो मैं करता हूं। वे बतायेगे कि पिता ने मुझे भेजा है।” उसने कहा, “और मेरी पढ़ाई–लिखाई... ” दुसरे शब्दो में, इस तरह है “यदि मेरी पढ़ाई लिखाई तुम्हारी आकांशाओ को संतुष्ट नही करती, यदि मेरी डिग्री... जो मेरे पास नही है। लेकिन मेरी डिग्री, मेरे शैक्षिक प्रमाण–पत्र, जो तुम्हारे शिक्षा संस्थाओ से नही है। मेरे शैक्षिक प्रमाण–पत्र वो काम जो मैं करता हूं, वे पिता के है जिसने मुझे भेजा है। वे मेरे शैक्षिक प्रमाण–पत्र है।” यही वो उत्तम शैक्षिक प्रमाण–पत्र है, जिसे मैं जानता हूं परमेश्वर के है, हमें उन शैक्षिक प्रमाण–पत्र से भी बढकर देता है! “वो काम जो मैं करता हुं वो एक प्रमाण है कि पिता ने मुझे भेजा है। यदि ये इतना काफी नही है, मुझ पर विश्वास करने की बजाये, उन कामो पर विश्वास करो।”

139 अब, उस पर ध्यान देना। ओह, मैं उसे प्रेम करता हूं! जब मैं उसे वहां साथ–साथ चलते हुये देखता हुं और उसने कहा, “तुम इतने दु:खी क्यो हो? क्या बात तुम्हे इस तरह से महसूस करवाती है? क्या ही सुन्दर दिन है! देखो हर एक चीज कैसी दिख रही है!”

140 उसने कहा, “जी हां,” कहा, “मैं जानता हूं, लेकिन हमने भरोसा किया... ” कहा, “क्या तुम यहीं आस–पास के एक अजनबी हो? क्यों,” कहा, “क्या तुम नही जानते कि, नासरत का यीशु, एक मनुष्य जो बडे चिन्हो और इत्यादि के द्वारा परमेश्वर का अनुमोदित किया हुआ था? हम उसके पीछे साढे तीन वर्षो तक चले। और—और पिलातुस ने उसे क्रुस

पर चढाया। और उन्होने उसे दफना दिया, उसे कब्र मे डाल दिया। क्यों," उन्होने कहा, "हमारे पास आशाये थी कि वो एक राजा होगा, एक महान मार्गदर्शक। और अब वो वहां पडा हुआ है, कब्र में है, लेप लगाकर रखा गया, और कब्र में पडा हुआ है।"

"क्यों," उसने कहा, "क्या तुम पवित्र शास्त्र को नही जानते?"

141 ओह, मैं. इसे पसंद करता हूं! उसने क्या किया? सीधे वचनो की ओर गया, जिससे कि उसके मुख्य बातों को साबित करे। और कोई भी परमेश्वर का सच्चा आत्मा वो सीधे वचन की ओर जायेगा।

142 उसने क्या किया? वो पीछे पुराने नियम में चला गया, जो मूसा की किताब है, और मूसा के बारे में बोलना आरंभ किया और विभिन्न लोगों के बारे में, कि कैसे उन्होने कहा था कि यीशु आएगा, और कैसे तकलीफों से गुजरेगा और वो क्या करेगा। उसने कहा, "क्या तुम इन लेखो को नही जानते, वचन को?" कहा, "क्या तुम नही जानते कि वो वचन जो वहां पहले था, वो जीवित बन चूका है? क्या तुम नही जानते कि मसीह को मुर्दो में से जी उठना चाहिए? और वहां..."

143 "नही हम यह नही जानते।" अच्छे लोग, उससे प्रेम करते है, लेकीन नही जानते कि वो मुर्दो मे से जी उठा था।

144 वैसे ही आज भी है, वही बात आज है, बिल्कुल वैसे ही, भाईयों, बहनो। ओह, होने पाए परमेश्वर आपके सबसे भीतरी भाव् को जागृत करे! लोग नही समझते है कि वो मुर्दो मे से जी उठा है। वो मरा नही है। वो जीवित है।

145 और वह भेष बदल कर चलने लगा। वो उन्हे एक मनुष्य के रुप में दिखाई दिया।

146 वो हो सकता है आपको आपके पडोसी के रुप में दिखाई दे। वो हो सकता है वो आपको एक—एक सेवक के रुप में दिखाई दे, या आपके मां के रुप में। मसीह आपको लोगो में दिखाई देता है। तब, हर एक से सही बर्ताव करे, कृपालु बनो, मित्रवत बने, प्रेमी बने। मसीह व्यक्ति में है। "मसीह तुम्हारे अन्दर, महिमा की आशा है।" और जैसे आप साथ—साथ चलते है, और लोग तुम्हे दिखाई देने लगते है, एक सज्ञन व्यक्ति आपसे बात करना आरंभ करता है, उनकी सुने। तुम नही जानते, कि हो सकता है यीशु आपसे बात कर रहा हो। देखो, वो दिखाई देता है। "मैं तुम्हारे साथ

रहूंगा, यहं तक तुम मैं रहूंगा। और जब तुम जो इनके लिए करते हो, तुम मेरे लिए करते हो।"

147 ओह, जब इसे इस तरह से देखने लगते हो, तो पुरानी परम्परा दूर होती जाती है। समझे? यह एक शब्दों के रुप में नही बनता है, और बहुत सारे शब्दो को एक साथ रख कर एक वर्णन करना नही है। यह एक जीवित सच्चाई बन जाती है कि मसीह अब हम में है। वो पवित्र आत्मा हर एक मनुष्य में से होते हुए आगे–पीछे चल–फिर रहा है, हृदय में से उमड़ते हुए, जांचते हुए, वहां पर उसमे नाशमान जीवन को दोष लगाते हुए। और जब आप इसे स्वीकार करते है, वो इसे परमेश्वर के सामने रख देता है, और लहू इसे धोता है। आमीन।

148 फिर, जब वे उसके साथ—साथ गए, अब देखना, यह संध्या के समय की ओर बढ रहे थे। ओह, मैं अब इसे पसंद करता हूं।

149 हम थोडा और लेना चाहेंगे... ओह! मैंने नही समझा था कि मैं इतना ज्यादा लेने वाला था।

150 देखना। ये संध्या की ओर बढ़ रहे थे। मैं बन्द करुंगा। क्या आपने ध्यान दिया? अब जरा ध्यान से सुने। ये संध्या की ओर बढ रहे थे। और उसने इस तरह से किया, जैसे कि वो उनके साथ आगे जाकर और उन्हे छोड़ देगा, लेकिन उन्होने उसे अन्दर आने के लिये मना लिया।

151 मैं सोचता हूँ हमें कितना अधिक मनाना होगा? मैं सोचता हूं आज ठीक अभी आप कितना अधिक ऐसा कर रहे है? "ओ प्रभु, वो एक पुनरुत्थीत हुआ है, मैं आपको राजी करुं, कि आप मेरे हृदय मे आये। मेरे साथ अन्दर आये। मैं आपके ऊपर विश्वास करना चाहता हूं। मैंने एक अधूरे मसीहत के जीवन को जीया है, इसलिए मैं... केवल एक ज्ञान के विश्वास के द्वारा प्रतीति कर रहा हूं, और इत्यादि, जो मानसिक विश्वास है। लेकिन मैं आपको, आपके पुनरुत्थान की सामर्थ मे जानना चाहता हूं, क्योंकि केवल यही वो समय है मुझे तैयारी को करना होगा। मैं आपको जानना चाहता हूं, जब मैं अपने सिर को नीचे करता हूं कि फिर कभी ऊपर की ओर न उठॉऊ। मैं आपको आपके पुनरुत्थान की सामर्थ में जानना चाहता हूं। मैं इसके बारे में केवल सोचते नही रहना चाहता। मैं आपको जानना चाहता हूं। क्या आप मेरे अन्दर आकर मेरे साथ बने रहेंगे? दिन बहुत बीत चुका है।"

152 ध्यान देना, जब वे अन्दर चले गये, दरवाजों को बन्द किया, उसके बाद वो उनसे बात कर सकता है। क्या ही फर्क है जो उसने इन लोगों से किया! वे नदी तट पर खडे थे उन्होंने उसे नही जाना; वे उसके साथ लम्बे समय तक रहे थे। लेकिन जब, मसीह एक बार अन्दर होता है...

153 मसीह *बाहर* नहीं है, इसे समझ रहे है, कहता है, “हाँ, यह सही है।” लेकिन मसीह वो *अन्दर* है, कहता है, “यह सही है।” आपने फर्क को समझा? मसीह अन्दर है! और उसने कहा...

154 एक बार अन्दर आता है, दरवाजा बन्द हो जाता है। तब वो अपने आप को उन्हे प्रकट करता है, वैसे ही, उसने कुछ तो किया। उसने रोटी को लिया और उसे तोडा।

155 और उन्होने देखा, और कहा “धरती पर केवल एक ही मनुष्य है जो कभी ऐसा कर सकता है, और यह वो ही है।” “वैसे ही, उसने कुछ तो किया! ना ही उस तरह से कि वो अपने उपदेश की शिक्षा दे; क्योंकि उनके पास बहुत सारे धर्मशास्त्री थे जो ऐसा करते थे। ना ही उसने उस तरह से पोशाक पहनी थी: हॉलीवुड की शैली में, ऐसा तो आज होगा। ऐसा नही था। लेकिन जिस तरह से, उसने कुछ तो किया, वे जान गये कि ऐसा करने का तरीका उसी का था। और उनकी आँखे खुल गयी थी। तब वे उसे जान गये।

156 कुछ दिनों तक उन्होने उसे नही जाना... या चेलो ने उसे उस तरह से नही देखा। वे कभी भी उसके साथ नजदीक नही हुए थे। उन्होने उसे नही जाना, जब उन्होने उसे देखा। लेकिन वे जो एक बार उसके नजदीक गये, वे इसे जान गये कि वो उनका प्रभु था।

157 और मैं चाहता हूं कि आप किसी बात पर ध्यान दे। थोडा नजदीक से, अब बंद करने से पहले, समाप्त करने से पहले। उसी दिन पर प्रात: सेबेरे। जब मरियम मगदलीनी और मार्था पहले कब्र पर थी। ध्यान देना। प्रात: उस सुबह पहले, मसीह ने प्रात: जल्दी उठने वालो के बीच अपने आप को दिखाया। और बाकी पूरे दिन में उसके बाद वो कभी भी नही दिखा, जब तक संध्या का समय न हो गया। तब उसने फिर से खुद को प्रकट किया, क्योंकि वो अल्फा ओर ओमेगा था।

यह संध्या के समय उजियाला होगा,
तुम निश्चय ही उसे महिमा के मार्ग पर देखोगे।

158 जब, मसीह ने अपने आप को दिन के आरंभ मे प्रकट किया प्रेरितों के साथ, उस पुनरुत्थान पर, चिन्ह और चमत्कारो के साथ, जो पतरस, याकुब, यूहन्ना और उन्होंने किए। उसने खुद को लोगो को प्रकट किया (कैसे?) उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में, (सुनना) चिन्ह चमत्कार और अद्भुत कार्यो के द्वारा, जो उसने किए। क्या यह सही है? उसने अपने आप को प्रकट किया।

159 अब हम एक बड़े दिन में से होते हुए आए है। दिन जो बीत चूका है; महान शिक्षको के द्वारा, सन्त आगस्तीन; वहां से होते हुए आगे मार्टीन लुथर पर आया, जॉन वेस्ली, केलिवन, नॉक्स, वे सारे के सारे; आगे वो—वो मैंथेडिस्ट के युग में से होते हुए, बैप्टिस्ट का युग, नाजरिन का युग, पिलग्रिम होलीनेस का युग, पेंटीकॉस्टल का युग। ये सारे युग बीत चूके है। सूरज नीचे की ओर जा रहा है।

160 उसने कहा, “ये संध्या के समय उजियाला होगा। वहां पर एक दिन होगा,” नबी ने कहा, “ना तो वो दिन होगा, ना ही वो रात होगी। यह बस एक तरह से कोहरा सा होगा।”

161 और, आज, इसी तरह से संसार दौरा कर चूका है, प्रभु यीशु के पुनरुत्थान की पहली सुबह से लेकर, और वो वहां पीछे पहली कलीसिया का युग, उस इफिसियों कलीसिया युग में—में। वही सबसे पहला युग, जिसे परमेश्वर ने खुद को चिन्ह, चमत्कार और अद्भुत कार्यो के द्वारा प्रकट किया। यह पूर्व पिताओ में धुंधला हो गया। कैथोलिक कलीसिया से लेकर आगे होते हुए, सुधारको की ओर, यहां पर आते हुए। उनके पास इतना ही उजियाला था विश्वास करे कि वो परमेश्वर का पुत्र था। उनके पास इतना ही उजियाला था कि उसे एक व्यक्तिगत उध्दारकर्ता के नाई ग्रहण करे, और यह नीचे की ओर बढ़ता गया। लेकीन वे बादल, अन्धकार के बादल, शिक्षको ने लोगो को बान्धे रखा, कहते हुए, “अद्भुत कार्यो के दिन बीत चुके है, ये सारी बातें बहुत वर्षो पहले खत्म हो चुकी है।” यह एक अन्धकार का दिन रहा है। पूरी तरह से अन्धकार नही है; वे देख सकते है, कैसे साथ—साथ चलना है, लेकीन ना ही बहुत अच्छी तरह से।

162 लेकिन, भाई, परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है जब वो सूरज पश्चिम क्षेत्र की ओर डुब रहा था, उस उजियाले को फिर से होना है, बिल्कुल वैसे ही जैसे संसार स्थिर है।

163 यह बाइबिल एक पूर्व की किताब है। इसे एक पूर्वी प्रचलन में लिखा गया है। इसे पूर्वी तरीके–... पूर्व की भाषा में लिखा गया है। सूरज पूर्व में उगता है, यह पश्चिम में डुबता है। और पूर्वी लोगों में, उनके भेंट करने का दिन, पहले पुनरुत्थान में था। और सूर्य सारे युगो मे से होता हुआ आया है। और विकसीत जीवन, पूर्व से आरंभ हुआ, पश्चिम की ओर जा रहा है। और यहां पश्चिम रेखा पर सूरज डुबने से ठीक पहले, ये फिर से उजियाला होगा। वही पुनरुत्थीट प्रभु यीशु अपनी उसी सामर्थ में वापस आयेगा। जैसे आरंभ में उसने खुद को मरियम मगदलीनी और उन पर प्रकट किया। वो अन्तिम युग में खुद को उसके पुनरुस्थान की सामर्थ में प्रकट कर रहा है। कहां पर? अन्तिम समय पर।

164 उसने कहा, “अन्दर आओ। देर हो रही है। दिन लगभग बीत चूका है। संध्या होने पर है। क्या अन्दर नही आओगे?” और वे उसे अन्दर लेकर गए।

165 और जब एक बार अन्दर चला गया, उसने उनकी आँखों को खोल दिया। उसने कुछ तो ऐसा कार्य किया। उन्होने कहा, “इसे केवल वो ही कर सकता है।”

देखो वे कैसे थे। वे पूरे दिन तक चल कर वहां पर आए थे।

166 यही है जहां शिक्षा संस्थाए चूक गयी है। हमने कड़ी मेहनत की है, कि शिक्षा संस्थाओ को सहयोग दे कि वहां पर जाकर पुस्तिका बांटा करते थे। हमने वहां पर धर्मशास्त्र सिखाने के लिए लोंगो को भेजा है। और वहां, मुद्धा, बुध्दा, मोहम्मद, सिखो को... सारे संसार के विभिन्न धर्म के लोग वहां पर है उनके उन्ही धर्मशास्त्रो के साथ, जो मसीहत की उन्ही बातों को एक मनोविज्ञान के तरिके से उत्पन्न कर सकती है। यह सही है।

167 और संसार, उसमें से केवल एक तिहाई लोग, इस ईस्टर के सुबह के बारे में जानते होगे, या कभी यीशु के बारे में सुना होगा। संसार का दो–तिहाई भाग साम्यवाद है और अन्धकार में है। संसार के दो तिहाई लोगों ने कभी–भी यीशु के बारे में या पुनरुत्थान के बारे में नही सुना है।

168 लेकीन भाई, जब इम्माऊस का अनुभव किलोपास को मिला, जब उनकी आँखे खुल गयी थी, और उन्होने पहचान लिया कि वे कौन थे! और, कुछ समय के लिए, उन्होने आगे समय के गलियारो में यात्रा की, पीछे यरुशलेम की ओर, रफ़्तार से चलते हुए, चिन्ता मुक्त, लोगो को बता

रहे थे। “हम जानते है हमारा प्रभु मुर्दो में से जी उठा है, क्योंकि हमने उसे देखा है और जानते है कि वो वास्तविक है।”

169 क्या है ये, अन्तिम दिन है। परमेश्वर मनुष्यो को सन्देशो के साथ खडा करेगा, सामर्थ के साथ, छुटकारे के साथ, सुसमाचार के सामर्थ के साथ खड़ा करेगा, ताकि प्रमाणित करे कि यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

170 मैं जानता हुं यह उत्तेजित होने के जैसा लगता है। कोई आश्चर्य नही! हम उस एक उत्तेजना के समय मे रह रहे है। हां, ऐसे ही है। हम अन्तिम दिनों में रह रहे है। जब परमेश्वर हर एक पवित्र भविष्यव्यक्ता के द्वारा, सारे पुराने नियम में से होते हुए, नये नियम में से होते हुए, भविष्यवाणी की है, कि अन्तिम समय में, वही चीजे जो आरंभ में जगह ली थी, वो अन्तिम दिन में होगी, और जब अन्धकार दूर हो जायेगा, और सुसमाचार का उजियाला धरती के हर कहीं गलियारो पर चमकेगा, एक बार फिर से, प्रभु यीशु के आगमन से पहले।

171 वो मुर्दो से जी उठा है। वो कल, आज और युगानुयुग एक सा रहेगा। यीशु मसीह मुर्दो में से जी उठा और हमारे बीच रह रहा है। मैं इसके लिए बहुत ही खुश हूं। मेरा हृदय वर्णन से परे रोमांचित हो उठा है। जब, हम इसके बारे में अंदाजा नही लगाते है। यह सचाई है।

172 दोस्तों, परमेश्वर आपको आशीष दे। यदि आप यह नही जानते है कि... इस बात की ओर ध्यान ही ना दे कि इस सन्देश को कौन दे रहा है, लेकिन वो ध्यान दे कि सन्देश का मतलब क्या है। समझे? यह आप पर है, यह मसीह से बाहर है। यदि आप उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में उसे नही जानते है, यदि आप केवल... इसे मानसिक समझ से न ले। अपने धर्मशास्त्र या मानसिक विश्वास के बारे में बात न करे; यदि कोई बात आपके हृदय में गवाही नही देती है और आपका हृदय ढेर हो चुका है और एक खाली कब्र बन गया है (हाल्लेलुया) संसार की पुरानी मरी चीजों से और आपके हृदय मे मसीह एक नये सिरे से जी उठा है।

173 हे परमेश्वर, आज सुबह हर एक संदेह के पत्थर को लुढ़का दिजीए। इसे दूर करे।

174 और होने पाये वो आपके हृदय में आज जी उठे, और आपको एक नयी सृष्टी बनाए। और मैं विश्वास करता हूं कि वो कुछ मिनटों में दृश्य पर आ

जाएगा, और उन्ही कामों को करेगा जो उसने किए जब वों यहां धरती पर था।

प्रार्थना करेगें, जब हम अपने सिरों को झुकाते है।

175 हमारे स्वर्गीय पिता, देर हो रही है। समय बहुत निकल गया है। लेकीन, यह निकलता हुआ समय ही था, जब आप दिखाई दिये। हम आपका आपके दैविक वचनों के लिए धन्यवाद देते है। हम आपका इस सुसमाचार के लिए धन्यवाद देते है जिसे हम प्रचार और विश्वास करते है। हम आपका इस सुसमाचार के लिए धन्यवाद देते है जिसे आपने सच्चा होने का प्रमाण दिया है।

176 और अब, प्रभु यीशु, खोये हुये प्राणों से बात करें। यहां बहुत से लोग है, प्रभु, जो आपसे प्रेम करते है, लेकिन उन्होने वास्तव में आपको कभी भी ग्रहण नही किया है। आप उनके साथ रोज चलते है। यह आप ही है जो दुर्घटना होने के समय पर, उन्हे मरने से बचाया। ये उस दिन पर आप ही थे, जिसने उस रात घर को, तूफान में उडने से रोके रखा। यह आप ही थे, जो संकट की घडी में, उनके लिए आये। यह आप ही थे, जिसे उन्हे काम दिया, जब उनके पास कोई काम नही था। यह आप ही थे जिसने उनके हृदय को सांत्वना दी जब उनके प्रिय जन कब्र में चले गये। आप उनके साथ चले है, लेकिन, फिर भी वे आपको नही जानते है।

177 परमेश्वर, आज प्रदान करे, कि हर एक व्यक्ति जो यहां पर है, जो मसीह से बाहर है, वे किलोपास और उसके मित्र ने जैसा किया, वैसा ही करे, "अन्दर आकर और हमारे साथ बने रहे। मेरे जीवन के दिन पूरी तरह बीत गए है। अब अन्दर आकर और आपने मार्ग को बनाए।"

178 और जबकि हमने हमारे सिरों को झुकाया है, जहॉ कही भी आप है अन्दर या बाहर, यहां एक व्यक्ति भी कहता है, अपने हाथ को परमेश्वर की ओर उठाते हुये, अपने भाई के लिए नही, लेकिन परमेश्वर के लिए, "ओह, आज सुबह कुछ तो मेरे हृदय में हो रहा है। मैं—मैं जानता हूं, कि मेरे हृदय में कुछ तो बात जगह ले रही है। मैं—मैं कभी भी वैसा ही नही रहूंगा। मैं विश्वास करता हूं कुछ तो हुआ है, आज सुबह जब से मैं इस इमारत में आया हूं। मैं अब मसीह को अपने हृदय में मेरे उध्दरकर्ता के नाई ग्रहण करता हूं। मैं अपने हाथों को परमेश्वर की ओर उठाकर और कहना चाहता हूं, 'परमेश्वर मैं यहां पर हूं। यही वो सब है जिसे मैं कर सकता हूं

कि अपने हाथों को उँठाऊ, आपको बताने के लिए कि मैं आप पर विश्वास करता हूं।'"

179 क्या आप अपने हाथ को ऊपर उठायेंगे? परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। यह ठीक है। कोई और है, क्या अपने हाथ को ऊपर उठाकर कहेगे, "मैं अब उसे स्वीकार करता हूं"? परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। यह बहुत अच्छा है। कोई और है?

180 जब आप अपने हाथ को उठाते है, परमेश्वर ने आपको सनातन का जीवन देने की प्रतिज्ञा की है। "वो जो मेरे वचनों को सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास सनातन का जीवन होगा। वो न्याय में नही आएगा, लेकीन वो मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुंच चुका है।"

181 क्या अब आप अपने हाथ को उठाकर कहेंगें, "प्रभु मैं विश्वास करता हूं"? कोई नही देख रहा है; केवल प्रभु यीशु और मैं, यदि आप कृपया करके। केवल अपने हाथ को उठाकर कहेंगे, "मैं अब उसे मेरे उध्दारकर्ता के नाई स्वीकार करता हूं।" क्या अपने... प्रभु आपको आशीष दे, आपको, आपको, आपको। ओह, यह बहुत अच्छा है, हाथों की संख्या बढती हुई। प्रभु आपको आशीष दे। यह बहुत अच्छा है।

182 यह आपके लिए क्या करता है? आपको जीवन देता है। आपने अपने हाथ को उस गुरु की ओर उठाकर कहा है, "मैं इसे विश्वास करता हूं।"

183 यीशु ने कहा, "वो जो विश्वास करता है कभी दोषी नही ठहराया जाएगा; वो मृत्यु से पार होकर जीवन को पहुंच गया है।" ठीक अभी आपके पास सनातन का जीवन है। क्या आप इसके बारे में खुश नही है?

184 क्या कोई और भी है, इससे पहले कि हम प्रार्थना करे, कोई और है जो कहे, "भाई ब्रन्हम, इस ईस्टर की सुबह पर, मैं अब, मैं मसीह के उपस्थिती के प्रकट चिन्हो को देखने से पहले, यदि वो इस तरह से करेगा, मैं कुछ भी देखने से पहले, मैं अब उसे स्वीकार करता हूं। मैं थोमा के जैसा नही होना चाहुंगा कि रुका रहूं, जब तक मैं उसे देख नही लुं और उसे महसूस नही कर लूं, और इत्यादि और फिर कहूं। मैं ठीक अभी उसे स्वीकार करने जा रहा हूं।"

185 उसने कहा, "उनका प्रतिफल कितना बडा है, जिन्होने अब तक नही देखा, या महसूस किया है, या जो कुछ भी है, लेकिन विश्वास किया है।"

186 क्या वहां कोई और भी है जो अपने हाथ को ऊपर उठायेगा, अन्दर या बाहर? प्रभु आपको आशीष दे, और आपको, और आपको। बहन आपको, परमेश्वर आपको आशीष दे। आपको, बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे।

तो ठीक है, हमारे सिरों को झुकाने के साथ।

187 हमारे स्वर्गीय पिता, आपने कहा था, "वचन को प्रचार कर। समय, और असमय में तैयार रह। उलाहना दे, डांट और समझा, सब प्रकार की सहनशीलता और शिक्षा के साथ।" कोई और सुसमाचार प्रचार मत करो, लेकिन वो जो हमे सौपा गया है। मसीह मरा, तीसरे दिन फिर से जी उठा, वचनों के अनुसार; अब वो स्वर्गीय स्थानों में बैठा है, परमेश्वर के महिमा की उपस्थिती में, हमारे पाप के अंगीकार करने पर बिचवाई करते हुए। और यह उसका वचन है, "वो जो मेरे वचनों को सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास सनातन का जीवन है।"

188 और, आज, इस जल्दी में हुआ, जो बिखरा हुआ संदेश है, बहुतों ने अपने हाथों को उठाया है। (प्रभु) आपने उन्हे देखा है। उन्हे देखने से आप भला कैसे चूक सकते है, जब कि आप हर एक चिडिया को जानते है जो वहां राह पर होती है! आप इसे जानते है। महान सर्वशक्तिमान परमेश्वर, आप हर एक चीज को देखते है, आप सबकुछ जानते है, और सबकुछ कर सकते है। अब, आपके वचन के अनुसार, आपने उन्हे पाप से बचाया है, और हम आपका इसके लिए धन्यवाद करते है, पिता। उनका जीवन लम्बा और खुशहाल होने पाए। वे उनके जीवन के सारे दिनों में आपकी सेवा में लगे रहे।

189 आज आने वाली रात को यदि उन्हे कभी भी पानी में डुबाया नही गया है, वे आकर और बपतिस्मा को ले, प्रभु के नाम को लेते हुए, और आज इसी रात को पवित्र आत्मा के साथ भर जाए, इसे प्रदान करे, प्रिय परमेश्वर। हम इसे मसीह के नाम से मांगते है।

190 अब, पिता, हम सभा में प्रवेश कर रहे है। मैं जानता हूं आपका वचन चूक नही सकता है। इसने कहा, कि हमारे अपने ही नगर में, "सेवक, उसके नगर में लोगों के बीच में।" लेकिन प्रभु, आपने ऐसा इन दस वर्षो में यह दो बार होने दिया। क्या आप इसे फिर से प्रदान नही करेंगे? यह ईस्टर है, और हमारे मन ईस्टर के विचारों पर, पुनरुत्थान पर पुरी तरह तरोताजा है। ये आज सुबह तरोताजा है, नए सिरे से, उस सुसमाचार पर,

सुनने से इसे यहां दो बार प्रचार किया गया है। और हम आपको देखना चाहते है, प्रभु। और मैंने लोगों को बताया है कि आप यहां पर है। आपने जो कहा, आप थे। आप सर्वव्यापी थे, हमेशा ही रहेंगे। आप क्या अब आकर और मानव यंत्र को नही लेंगे, दीन जैसे कि वे है, प्रभु, आपके दीन सेवक के? आज हममे से होकर कार्य करे, जो पुरुष और स्त्रीयां यहां पर बैठे हुए है, और वे जिन्होने आपको अभी स्वीकार किया है, देखे कि उन्होंने क्या किया है; कि यह कुछ झुठ नही है; यह प्रभु यीशु है। हे परमेश्वर, इसे प्रदान करे। क्योंकि हम इसे यीशु मसीह के नाम में मांगते है। आमीन।

191 ओह, प्रभु! क्या आप अच्छा महसुस करते है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] मैं अभी ऐसा ही महसूस कर रहा हूं। यहां तक भले ही थके हुए और बाहर निकले हुए है। तब कैसा महिमामय वचन है!

अब, दोस्तों, मैं वो सब प्रचार कर सकता हूं...

192 मैं—मैं एक प्रकार से... आज, दो बार प्रचार कर रहा हूं। मुझे जल्दी करना होगा, कल मुझे गाड़ी चलाकर जाना है। मुझे सुबह जल्दी टेकोमा, वॉशिंग्टन के लिए निकलना होगा, आगे कनाडा में जाना है। और वे चाहते थे कि मैं हवाई जहाज से आऊं, जो कल वहां सभाए होनी है, लेकिन मैं कार चलाकर जाना चाहूंगा।

193 इसलिए अब ध्यान दे, अब, मैं सब प्रचार कर सकता हूं; एक बात को मसीह कर सकता है, और सारी बातों का महत्व होगा, जो मैं एक हजार सालों में आपसे बोल सकता हूं, यदि आप इसे देखने के लिए जीवीत रहते है तो।

194 अब मैं आपसे कुछ तो पुछना चाहता हूं, और मैं चाहता हूं आप केवल आदरपूर्व बने रहे। अब, आप में से बहुत से लोग खडे हुए है। मैं जानता हूं आप थके हुए है, लेकीन हमें केवल कुछ मिनट का समय देना। अब, मैं यह बोल रहा...

195 समझना, मैं नही कहता ऐसा होगा। मैं विश्वास के द्वारा कहता हूं, कि मैंने परमेश्वर से ऐसा करने के लिए मांगा है। और मैं उससे अभी भी मांग रहा हूं कि वो यहां पर एक भेट को दे, बिल्कुल वैसे ही जैसे वो कार्यक्षेत्र में करता है, कि जो लोग यहां जेफरसनविले पर है, जान जाये कि यीशु मुर्दो में से जी उठा है। अब, हमारे यहाँ ऐसा ये दो बार चुका है।

196 मैं नही जानता मैं भवन में इस के बाद फिर से कब वापस आऊंगा। मैं इस पुरानी छोटी कलीसिया से प्रेम करता हूं। इसमें बहुत ज्यादा अजनबी लोग नही है। ठीक यहां इस पुलपीट पर अब भी, मेरे ऊंगलियों के निशान है, क्योंकि बारह साल से यहां प्रचार कर रहा हुं। अब मैं तेवीस वर्षो से सुसमाचार में हूं।

197 ओह, मैं इतना दूर तक आ गया हूं कि मैं पीछे मुडकर भी देखूं! ओह, मैंने बहुत कुछ देख लिया है! मैं परवाह नही करता लोग क्या कहते है। मैं—मैं जानता हूं, मैं जानता हूं। जी हां, श्रीमान। कोई फर्क नही पडता, यदि संसार अलग ही कहता हो। "मैं—मैं जानता हूं मैंने किस पर विश्वास किया है, और मैं यकीन करता हूं, वो इसे रखने मैं सक्षम है जिसे मैंने दिन के निमित उसे सौपा है।

198 बहुत से मित्र जो यहां पर बैठे हुए है, और इत्यादि, उनमे से कुछ लोग बाहर है। मेरे कुछ डॉक्टर मित्र है, जो कि आज भी उपस्थित होंगे।

199 मैं एक धर्म कट्टरपंथी नही हूं। मैं केवल... यदि इसे लेते... यदि आप इसे कट्टरता कहते है, यीशु के पुनरुत्थान पर विश्वास करना, तो मैं एक कट्टरपंथी हूं। यह सही है। मैं इसे मेरे पूरे हृदय से विश्वास करता हूं।

200 अब, यहां मेरा दावा है, कि यीशु मुर्दो मे से जी उठा। मैं विश्वास करता हूं, यदि वो मुर्दो मे से जी उठा है... उसने कहा, "बिल्कुल वही काम जो मैं करता हूं तुम भी करोगे। वरन इससे भी बढ़कर करोगे, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूं।"

201 और मैं यहां इस पुनरुत्थान की सुबह विश्वास करता हूं, यदि परमेश्वर अभी फिर से दृश्य पर प्रकट होगा, उसी रुप में जिसे आप जान सकते है कि यह वही है। क्या आप उसे देखना पसंद करेंगे? क्या आप किलोपस और उनके जैसे होना चाहते है, आते हुए? फिर यदि परमेश्वर ऐसा करेगा, तो मैंने आपको सुसमाचार बताया है, तब वो सच्चा है।

202 अब, वो क्या करेगा, यदि वो आज सुबह प्रकट होता है? क्या वो कह सकता... क्या आप आकर कहेगे, "प्रभु, क्या आप मेरा उद्धार करेंगे?

203 वो क्या कहेगा? "मैंने उसे कर दिया है, जब मैं तुम्हारे लिए कलवरी पर मरा।" क्योंकि, यही उसका सुसमाचार है।

कहते है, "क्या आप मुझे चंगाई देगे, प्रभु? "

वो कहेगा, “मैंने यह कर दिया है, जब मैं तुम्हारे लिए कलवरी पर मरा।

204 अब, केवल बात जो वो कर सकता है, कि वो तुम्हारे बीच में चिन्हो और अद्भुत कार्यो को दिखाये, जो तुम्हे विश्वास और स्वीकार करने को लगायेगा। क्या यह सही है?

205 अब, मैं सोचता हूं लडको ने आज सुबह कुछ प्रार्थना के कार्ड को बांटे है। बिली ने मुझे कुछ समय पहले बताया, कहा, “केवल कुछ समय में ही खत्म हो गए,” लेकिन उनके पास इतना समय नही था, वापस जाए। वो बाद में कुछ और कार्ड के साथ आया, और आते हुये समय नही बचा। जब वो बाहर जाने लगा, कि कुछ और कार्ड को लाये, तभी भाई नेविल ने गीत गाना शुरु किया, *विश्वास करो*।

206 और यहां, वे दौडते हुए वहॉ आए। और भाई वुड और उन्होने यह कहा, “क्योंकि गीतों को पहले से गाया जा चूका है और इत्यादि।” इसलिए मुझे ठीक वहां पर पहुॅचना था। और बहुत से कार्ड नही ला पाया, शायद पच्चास या सौ होंगे, इसी तरह से बाहर कुछ है, शायद। जितना हमसे संभव हो सकता है हम पहुंचने की कोशिश कर सकते है।

207 अब, मैं चाहता हुं आप अपने छोटे प्रार्थना के कार्ड को निकाल ले। यह एक छोटा सा चौकोन कार्ड है। उस पर मेरी तस्वीर है, और इसके पीछे की तरफ एक संख्या है। और मैं चाहता हुं लोग पंक्ति को बना ले, उस तरफ यहां, और उनके लिए प्रार्थना करे, जैसे झुण्ड में वे जब साथ—साथ आते है। और उनके लिए प्रार्थना करे, जैसे हम कर सकते है।

208 अब, जब आप अपने कार्ड को बाहर निकाल रहे है, और तैयार हो रहे है, अब मैं चाहता हूं ध्यान दे। यहाँ पर बहुत से ऐसे है जिनके पास प्रार्थना कार्ड नही है। हो सकता है यहाँ पर सौ लोग होंगे, जिनके पास प्रार्थना के कार्ड नही है। प्रार्थना कार्ड कोई मतलब नही रखता, कुछ भी नही। केवल एक ही चीज मायने रखती है आपके लिए कि आपका विश्वास परमेश्वर में होना है।

209 यीशु ने लोगों के लिए प्रार्थना की, यह सही है, और बहुत बार उनको बताया होगा कि उनके साथ क्या गलत था। लेकिन उसने कहा... कभी भी नही कहा, “मैंने तुम्हे चंगा किया है।” उसने कहा, “तेरे विश्वास ने तुझे बचा लिया है।” जो लोग पास आये...

210 वहां पर वो अन्धा बरतिमाई सडक पर बैठा हुआ था, वहां बैठा हुआ भीख मांग रहा था। यीशु चलकर जा रहा है, हो सकता है उस फाटक की ओर, उस सडक से, जहां—जहां पर बरतिमाई बैठा हुआ था, वहां से तकरिबन अगले कोने पर ही था। और यहां पर यीशु नीचे आता है। और वहां वो अन्धा भिखारी उधर दिवार से लगकर बैठा हुआ है, चिल्ला रहा है।

211 लोग जोर से चिल्ला रहे है, "उस कट्टरपंथी से दुर हटो! आगे आओ बकवादी, तुम कोई चमत्कार करके हमें क्यों नही दिखाते!"

212 दूसरे कह रहे है, "होशन्ना, होशन्ना! वो राजा है, दाऊद का—का, दाऊद का पुत्र है।"

और उनमें सब, अलग—अलग लोग थे, मिले जुले।

213 और यीशु, कलवरी की ओर बढ रहा है, उसका चेहरा... वो उस ओर बढ रहा है। मैं उसे चलते हुये देखता हूं। और उसके जवानी का जीवन, केवल कुछ तीस वर्ष की उम्र का, वो बूढ़ा सा दिखता था। उन्होने कहा, वो लगभग "पच्चास" उम्र का था, लेकीन वो केवल तैतीस वर्ष का था। और वहां उसका चेहरा संसार के पापो से लदा हुआ था, जो उस पर थे, और जो भी हर एक बीमारी थी, उस पर लटक रही थी। और वो कलवरी की ओर बढ रहा था, क्रुस पर चढने के लिए।

214 और वो बूढ़ा अन्धा भिखारी वहां पर है, फटी हुई आस्तीन और जो कुछ भी है, कह रहा है, "दाऊद के पुत्र, मुझ पर दया करो! मुझ मर दया करो!"

लोगों ने कहा, "नीचे बैठ जाओ!"

215 लेकीन यीशु रुक गया: पीछे मुड़ा, पीछे वहां दूर पीछे उस तरफ देखा, और कहा, "तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है।" "तेरे विश्वास ने।"

216 छोटी गरीब स्त्री, उस पर इतना ध्यान नही देते। वो भीड के बीच दब गयी थी और उनके पैरो के नीचे थी, और वहां पर चली गयी और उसके वस्त्र को छूआ, भीड में से बाहर दौडकर वापस कही पर तो आकर और नीचे बैठ गई।

217 यीशु रुक गया, कहा, "किसने मुझे छूआ? " वो पीछे की ओर मुड़ा। उसने कहा, "तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है।"

"तुम अपने हृदय में क्या सोच विचार कर रही हो? " कहा...

कुँए पर जो स्त्री थी।

उसने सोचा यह ऐसा था... उन्होने तब कहा...

218 जब फिलिप्पुस उसके पास आया, जब वो... उसकी पहली सेवकाई। यीशु एक प्रार्थना की पंक्ति में खडा, बीमारों के लिए प्रार्थना कर रहा था।

219 यहां पर यीशु है, कल का। यह यीशु होगा, आज का, क्योंकि वो एक सा है। जब वो उजियाला जो वहां पर सुबह में था, यह यहां पर संध्या में है, वही यीशु; कल और आज, देखो, वो वैसा ही एक सा है।

220 और जब यीशु वहां पर खडा था, वहां एक मनुष्य था जो बच गया था। वो दौड कर और अपने मित्र से मिला, जो नतनएल कहलाता था। और तो वो जाकर और नतनएल से मिला। और फिलिप्पुस जाकर और नतनएल से मिला। और उसने नतनएल को एक पेड के नीचे प्रार्थना करते हुये पाया।

221 और वो उसके साथ वापस आया... यीशु वहॉ पर आया हुआ था। वे दर्शको में खडे हो गए, जहाँ पर भी वो था। यीशु वहां पर लोगो के लिए प्रार्थना कर रहा था।

222 उसने उसकी ओर देखा, कहा, "देखो एक इस्त्राएली, जिसमे कोई कपट नही है।"

223 "इसलिए," उसने कहा, "रबी, तुम मुझे कैसे जानते हो?" या "आदरनीय, गुरु," धीरे से।

224 उसने कहा, "क्योंकि, इससे पहले फिलिप्पुस तुम्हे बुलाता, मैंने तुम्हे पेड के नीचे देखा।"

225 "क्योंकि," फरिसीयो ने कहा, "तुम लोगो ने देखा। वो मनो का पढने वाला है। वो एक शैतान है। वो बालजबुल है।"

226 लेकीन फिलिप्पुस ने क्या कहा? नतएनयल ने क्या कहा? वो दौड कर और नीचे गिर गया और कहा, "तू परमेश्वर का पुत्र है। तू इस्राएल का राजा है।"

227 उसने कहा, "क्योंकि मैंने तुझे यह बताया है, तुम विश्वास करते हो? तुम इससे भी बढ़कर देखोगे, क्योंकि तुम एक विश्वासी हो। समझे? तुम इससे भी बढकर देखोगे।" देखा?

228 अब, यही वो आज का यीशु है। अब आइये बीमार लोगों की पंक्ति को लगाए, और उनके लिए प्रार्थना करना आरंभ करे।

229 अब आप बाहर वहां जो बिना प्रार्थना कार्ड के श्रोतागण है, मैं चाहता हूं कि आप केवल अपने पूरे हृदय से विश्वास करे, परमेश्वर आपको चंगा करेगा, ठीक आपके स्थान पर बैठे हुए। वो उसके सेवको को पीछे की ओर मोड सकता है और वही बात को कह सकता है जो उसने तब कही थी। क्या आप ऐसा विश्वास नही करते? तो ठीक है।

230 अब मैं आपको बताना चाहता हूं, कि आपको क्या करना है। किसके पास प्रार्थना कार्ड संख्या एक है? आइये देखे। अपने हाथ को ऊपर उठाये। प्रार्थना कार्ड संख्या एक, संख्या एक। संख्या दो...

231 *यहां* पर पंक्ति को लगाये। अब मैं एक समय पर बस एक को ही लूंगा, क्योंकि हमारे... हमारे—हमारे पास खडे रहने की कोई जगह नही है।

232 संख्या दो, किसके पास कार्ड संख्या दो है, क्या आप अपने हाथ को उठायेगे? प्रार्थना कार्ड... यहां पर ये महिला है। संख्या तीन... यहां पर आ जाए, *इस* तरफ, महिला। संख्या चार, किसके पास प्रार्थना कार्ड...

233 किसके पास प्रार्थना कार्ड संख्या तीन है? मैं नही सोचता, वो मुझे मिला है। प्रार्थना कार्ड तीन।

प्रार्थना कार्ड चार।

234 प्रार्थना कार्ड पाँच। किसके पास प्रार्थना कार्ड पाँच है? वहां पीछे एक महिला है। तो ठीक है।

प्रार्थना कार्ड संख्या छह।

संख्या सात।

235 क्या आप *इस* तरफ आ जायेगे, ठीक यहां पर। अब आइए चार, पाँच, छह, सात। मैं नही जानता किस तरह... आप उन्हे *इस* तरफ से होते लाए, घुमकर... मंच के ऊपर, शायद, हो सकता है। तो ठीक है। थोडा जल्दी करे, जितना आप कर सकते है। पियानो बजाने वाला, केवल *विश्वास करो* बजाये, यदि आप चाहे तो।

मेरे पास कोई जानने का तरीका नही है, कौन, कहां, कैसे कब, कौन है।

236 अब आइये देखे, हम कितने लोग खडे हो सकते है। क्या आप ठीक अब साथ—साथ आयेगे? यह प्रार्थना कार्ड संख्या है, एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह, सात।

किसके पास आठ है, प्रार्थना कार्ड आठ? ठीक वहां पर, पुत्र।

237 प्रार्थना कार्ड नौ। अपने हाथ को ऊपर उठाए, जिस किसी के पास प्रार्थना कार्ड नौ है।

238 हो सकता है कोई बहरा हो, और नही सुन सकता हो। अपने पास के बैठे हुये उसके कार्ड की ओर देखे।

प्रार्थना कार्ड नौ, क्या अपने हाथ को ऊपर उठायेगें, नौ?

239 क्या कोई है, जो नही उठ सकता है? यदि आप अपाहिज है, खडे नही हो सकते है, वे आपको ऊपर उठायेगें।

प्रार्थना कार्ड नौ, हो सकता है वे बाहर चले गए हो।

प्रार्थना कार्ड दस। तो ठीक है, महिला, यहां पर उधर।

प्रार्थना कार्ड ग्यारह। वहां पर *उस* तरफ, श्रीमान।

प्रार्थना कार्ड बारह। *यहां* उधर, श्रीमान।

प्रार्थना कार्ड तेरह। तो ठीक है, महिला, *यहां* उधर।

प्रार्थना कार्ड चौदह। वहां, क्या आपके पास चौदह है?

पन्द्रह। उधर *यहां*, महिला, यदि आप चाहती है।

240 यह अच्छा है, बस आ जाए।मैं सोचता हूं आपको जाकर, हो सकता है सीधे घूमकर जाना होगा, वहां नीचे, यदि आप जा सकते है तो, वहां नीचे उस गलियारे पर, आप, यदि आप चाहे। ठीक यहां इसमें आ जाओ, बिल। कम से कम, ठीक यहां उस गलियारे के बीच में खडे हो जाओ। तो यह ठीक है। यह अच्छा है। वहां उन्हे पंक्ति में करे। ठीक *यहां* नीचे, महिला। महिला, ठीक वहां पर नीचे, प्रिय बहन। और सीधे पंक्ति में से होते हुये जाए।

241 आइये देखे हमारे पास कितने लोग पंक्ति पर आ गए है। आइए बस कुछ मिनट रुके, अब इस पर, केवल एक मिनट के लिए।

242 अब बस सच्चे श्रध्दापूर्ण बने रहे। बैठे रहे, शांती रखे, धीरे से। अब, यह परमेश्वर का एक भवन है। तो ठीक है। उस प्रार्थना को ले...

243 [कोई भाई ब्रन्हम से बात करता है—सम्पा।] क्या कहते है? क्या कहते है? तो ठीक है, क्या हम कुछ और लोगो को डाल सकते है? तो अच्छी बात है। प्रार्थना कार्ड...

244 मैंने कहां पर छोडा था? हां। श्रीमान, आपका प्रार्थना कार्ड कौन सा है? [वो भाई कहता है, “चौदह।”—सम्पा।] चौदह। तो ठीक है।

245 प्रार्थना कार्ड पन्द्रह, सौलह, सतरह, अठराह, उन्नीस, बीस।

246 *इस* तरफ से, महिला। ऊपर *उस* तरफ से, *उस* तरफ, *उस* तरफ से जाए। तो ठीक है। ऐसे करने से लगभग हम बहुत से लोगो को खडा कर सकते है। *उस* तरफ जाये, महिला। वे आपका ध्यान रखेगे, यदि आप चाहती है तो। तो ठीक है।

247 [कोई तो भाई ब्रन्हम से बात करता है—सम्पा।] क्या कहते है? तो, यह अच्छी बात है। यह इतना ही काफी होगा, जैसे कि हम ठीक अभी खडे हो सकते है, बस इसी तरह से।

248 क्या? क्या उस छोटी लडकी के नाक से लहू बह रहा है, बहन? आइये, थोडा रुके, कुछ मिनटो के लिए। क्या आप अपने सिरों को कुछ क्षणो के झुकायेंगे।

249 पिता, तेरे प्रिय बालक के नाम में, जो प्रभु यीशु है, हम प्रार्थना करते है कि आप इस बच्चे को छुये, परमेश्वर। लहू को रोक दीजिये। होने पाए ये अब बन्द हो जाए। होने पाए आपके नाम की महिमा हो। क्योंकि, हम इस बहते हुए लहु को फटकार लगाते है, यीशु मसीह के नाम में, जो परमेश्वर का पुत्र है।

250 ... ? ... तो ठीक है, आइये अपने सिरों को अब झुकाए रखे, एक मिनट।

251 प्रभु यीशु, श्रोतागणों के मध्य खडा है, आज, बहुत से लोग जो रुके हुए है। हम आपकी चंगाई की सामर्थ के लिए धन्यवाद देते है। अब हम हमारे पूरे हृदय से मांगते है, प्रभु कि आप उन चीजो को प्रदान करेंगे, जो हमने मांगा है। इसे परमेश्वर की महिमा के लिए करे। हम यीशु के नाम मे होकर मांगते है। आमीन।

252 तो ठीक है, अब, आइये श्रध्दापूर्ण बने रहे, जितना हम बने रह सकते है। ध्यान रखना, मैं नही जानता हूं। यह सब बस परमेश्वर की योजना में है।

253 अब, वहां—वहां प्रार्थना की पंक्ति में लोग है जिन्हे मैं जानता हूं। भाई वुडस वहां पर खडे हुए है, मैं उसे जानता हूं। मैं उनके पीछे के दूसरे, तीसरे व्यक्ति को जानता हूं, तीसरे व्यक्ति को जो उसके पीछे है। मैं उन्हे जानता

हुं। मैं यहां बैठी हुई इस महिला को जानता हूं, वो पहली महिला। मैं नहीं जानता उस महिला के साथ क्या गलत है, लेकिन मैं जानता हूं वो वहां पर है। मैं सोचता हूं, मैं प्रार्थना की पंक्ति में लगभग कुछ हद तक लोग है, जिन्हें मैं जानता हूं।

254 बहुत से यहां पर बाहर है जिन्हे—जिन्हे मैं नही जानता हूं। और आप अपने आप के लिए इन बातों के लिए गवाह हो, कि मैं आपको नही जानता हूं। लेकिन यीशु मसीह आपको जानता है, क्या वो नही जानता?

255 अब वहां कितने लोगो के पास बाहर प्रार्थना के कार्ड नही है, और आप किसी भी तरह चंगाई को पाना चाहते है? अपने हाथों को ऊपर उठाए, ऊपर की ओर, ऊपर की ओर। यह ठीक है। परमेश्वर आपको आशिष दे, तो ठीक है, बिना प्रार्थना कार्ड के। अब मैं आपसे कहता हूं कि ऐसा करे। यदि पवित्र आत्मा आता है और अभिषेक करता है, आप इसी ओर देखते रहे और अपने पूरे हृदय से विश्वास करे। आप केवल देखते रहे, और कहे, "प्रभु, मैं सचमुच अपने पूरे हृदय से विश्वास करता हूं।" यदि आप ऐसा करेंगे, परमेश्वर आपको आपकी चंगाई को प्रदान करेगा। "मैं अपने पूरे हृदय से विश्वास करता हूं।" अब, इधर—उधर न जाये। सच्चे श्रध्दापूर्ण बने रहे। अब आप जितना श्रध्दापूर्ण बने रह सकते है, बने रहे।

अब आईये फिर से प्रार्थना करे।

256 अब मैं आपसे कहना चाहता हूं, अपने सिरो को झुकाए रहे। यदि यीशु मुर्दो में से जी उठा है... अब, यह बात आपको चंगाई नही देती है। यह तो केवल प्रमाणित होना है कि वो मुर्दो में से जी उठा है। यदि यीशु मसीह मुर्दो में से जी उठा है, जब उद्धार और चंगाई को, उसने उसे पहले से ही कलवरी पर खरीद लिया। क्या यह सही है? कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ऐसा कुछ भी नही है कि वो कर सके; केवल, कुछ तो ऐसा करता है, एक प्रकार के कुछ चिन्ह और अद्भुत कार्य को, जो तुम्हे जानने को लगायेगा कि वो मुर्दो में से जी उठा है। यदि वो इसे एक बार करेगा, ये वही काम जो उसने किये थे, जब वो यहां धरती पर था, आपको चाहिये कि उसे स्वीकार करे। क्या यह सही है? क्या आप इसे करेंगे? यदि आप करेंगे, तो अपने हाथों को उठाए। यदि वो एक काम को करेगा जैसे उसने तब किया था जब वो यहं धरती पर था, क्या आप इसे स्वीकार करेगे? परमेश्वर आपको आशिष दे। सौ प्रतिशत।

257 अब, पिता, मैं प्रार्थना करता हुं कि आप दयावंत होंगे। और अब, आपकी महिमा के लिए, प्रभु, मैं यह प्रार्थना करता हूं कि आज इसे ठीक यहां भवन में प्रदान करेगे, ये बात हमेशा के लिये अंदर बैठ जाये कि आप मुर्दो में से जी उठे है। अब, यीशु मसीह के नाम में, मैं इस आशीष को परमेश्वर की महिमा के लिए मांगता हूं। आमीन।

258 अब, परमेश्वर की महिमा के लिए और उसके पुनरुत्थान की सामर्थ के लिए, और परमेश्वर के उस सर्वसामर्थ के लिये, मैं अब यहां हर एक आत्मा को अपने नियंत्रण में लेता हूं, यीशु मसीह के नाम में। इसलिए, वैसे ही करूं जैसे आपने बताया है।

259 और अब मैं चाहता हूं वो महिला, *यहां*, अब बस ठीक यहाँ माईक्रोफोन के पास खडी हो जाए। मैं महिला को जानता हूं। मैं—मैं सोचता हूं, इस महिला का नाम सुटन है, मैं गलती नही कर रहा हूं तो... ["बहन कहती है, नही। अब काँब है।"—सम्पा।] ओह, काँब, मुझे क्षमा करे। और मैंने स्त्री को इससे पहले देखा है, तो बहन यहां पर कभी तो एक बार भवन में आती है। और अब, लेकिन, मैं कुछ भी नही जानता कि इसके साथ क्या गलत है। लेकिन अब केवल एक ही तरिके से मैं यह जान पाऊंगा, ऐसा कुछ तो तरीका, जो परमेश्वर मुझे बता रहा होगा। क्या यह सही है, श्रीमती... ["जी हाँ, ऐसे ही है।"] काँब? ["हां सही है।"] काँब? तो ठीक है। काँब, क्या, अब आपका ये नाम है? ["जी हां।"] अच्छी बात है।

260 तो ठीक है। श्रीमती, काँब, केवल एक ही तरीके से मैं जान जाऊंगा तुम्हारे साथ क्या गलत था, यह परमेश्वर होगा जो मुझ पर इसे प्रकट करेगा। और फिर, यदि वो ऐसा करेगा, यह अलौकिक सामर्थ के जरिए से ही आया होगा, जिसका मनुष्य जाति से संबंध नही है। ये दैविक सामर्थ से ही आया होगा। क्या यह सही नही है? [बहन कहती है, "यह सही है।"—सम्पा।] और तब, ऐसा करने पर, क्या इससे तुम्हे विश्वास होगा कि जो मैंने उसके पुनरुत्थान के बारे में तुम्हे बताया है वो सत्य है? ["हां।"] देखा?

261 क्या इससे आपको विश्वास होगा, दोस्तो?

262 अब, क्या—क्या हो यदि यीशु यहां खडे होकर इस सूट को पहने हुए, जो उसने मुझे दिया है? देखा? और वो—और वो यहां पर खडा था, यदि इसे...

263 अब, हो सकता है महिला को पैसो की परेशानी हो। हो सकता है उसे घरेलू परेशानी हो। उसे बीमारी की समस्या हो सकती है। मैं नही जानता। परमेश्वर इसे जानता है। मैं नही जानता। मैं आपको नही बता सकता हूं। ये हो सकता है कि इसने उसके जीवन में कुछ तो गलत किया हो, जिस कारण से जो भी उसकी परेशानी रही है उसके ऊपर आयी हो। मैं नही जानता। परमेश्वर जानता है। मैं नही जानता।

264 लेकिन, वो मुझे बता सकता है। तो, यह इसी तरह से है। यीशु ने कहा, "मैं कुछ नही करता जब तक पिता मुझे नहीं दिखाता है।" इसे इसी तरह से आना है।

265 अब, जो मैं इस महिला के लिए यहॉ जो कर रहा हूं, उसके मन को पढना नही होगा। नही, श्रीमान। परमेश्वर रोक देगा। परमेश्वर जानता है कि यह गलत है। ऐसा नही होना है। स्वर्गीय परमेश्वर, क्योंकि मेरा न्यायी है, वो जानता है ऐसा नही है। यह गलत है, देखो। यह महिला के मन को पढना नही है।

266 लेकिन, यह पुनरुत्थान के सामर्थ के जरिए से होगा, यीशु मसीह उसकी कलीसिया में है। पतरस और उसकी ओर देखे, जब वे वहां पर खडे थे और लोगो की ओर देखा। किस तरह पौलुस और विभिन्न लोगो ने, लोगो की ओर देखा, और उन्होने यकीन कर लिया कि वहां पर कुछ तो बातें थी, जो गलत थी।

267 यीशु, कुँए पर स्त्री से बातें कर रहा है, उसने बातचीत को उसके साथ जारी रखा। अब, हम सब यह जानते है, सन्त यूहन्ना उसका—उसका चौथा अध्याय। उसने उस स्त्री के साथ कुँए पर बातचीत की। और जब वो स्त्री के साथ कुँए पर बातें कर रहा है, वो केवल उसकी आत्मा को पकड रहा था।

268 पिता ने उसे बताया था कि सामरिया के रास्ते में से होते हुए जाना। वो येरिहो था, जहॉ पर वो जा रहा था। वो ठीक आगे सीधे *इस* तरह से यरुशेलम से मार्ग था। लेकिन वो सामरिया से घुम कर गया, क्योंकि प्रभु ने उसे वहां पर जाने के लिए कहा।

269 और वो वहां कुँए पर बैठा हुआ था; चेलो को दूर भेज दिया। वो जानता था कि वो स्त्री आ रही है। जब वो पानी के घड़े के साथ आयी, उसने कहा, "मुझे थोड़ा जल देना।"

स्त्री ने कहा, "तुम्हारे लिये ये रीती के अनुकुल नहीं है कि इस तरह से मांगो।"

270 उसने कहा, "लेकिन यदि तुम्हे मालुम होता कि तुम किससे बातें कर रही हो तुम मुझसे जल मांग रही होती थी। जो जल मैं तुम्हे देता तुम यहाँ जल भरने को नही आती।"

271 क्या यह सही है? फिर बाद में बातचीत थोडी सी आगे बढने लगी, उसने अत: जान लिया उसकी असल में परेशानी कहां पर थी। कहा, "जाओ अपने पति को लेकर आओ।"

स्त्री ने कहा, "मेंरा कोई पति नही है।"

272 कहा, "यह सही है। यह सही है।" कहा, "तेरे पाँच पति है और जो अब तेरे पास है, वो तेरा पति नही है।"

273 उसने कहा, "मैं मान लेती हूं कि तू एक भविष्यव्यक्ता है। मैं जानती हूं कि जब मसीहा आयेगा वो ऐसा करेगा, क्योंकि वो हमे इन बातो को बताएगा।" "लेकिन तुम कौन हो? "

कहा, "मैं वही हूं, जो तुमसे बात कर रहा है।"

274 अब, यह कल का यीशु था। यह आज का यीशु है।

275 अब, उसमें... महिला, तुम्हारे लिए, केवल एक तरीका है जो मैं समझ पा रहा हुं, किसी एक प्रकार का सम्पर्क होना है, तुम्हारे और मेरे बीच, परमेश्वर के साथ, जिससे कि ये ज्ञात हो जायेगा।

276 क्या तुमने कभी उस तस्वीर को देखा है जिसे उन्होने खींची थी, जिसमे प्रभु का दूत मेरे पास खडा हुआ है, वो प्रकाश, क्या तुम जानती हो? [बहन कहती है, "जी हाँ, मैंने देखा है।"—सम्पा।] तुमने, तुमने उनमे से किसी एक को देखा है? ["मैंने इसे देखा है। मैंने देखा है।"]

277 क्या कलीसिया ने कभी... ओह, आपने इसे देखा हे, यहां कलीसिया में, नि:संदेह।

278 अब, यही है जिसे मैं कोशिश कर रहा हूं कि अब हमें नजदीक करे। अब, वो प्रकाश वही आग का खंबा है, जिसने इस्त्राएल के बच्चों की अगुवाई की, जो कि यीशु मसीह था, यह सही है, वाचा का वो दूत। वो उस वक्त अलौकिक प्रकाश के रुप में था।

279 वो देह में नीचे उतर आया था। उसने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूं, और वापस परमेश्वर के पास जाता हूं।"

280 "थोडी देर रह गई है और ये संसार मुझे और न देखेगा, फिर भी तुम मुझे देखोगे।" *संसार* "अविश्वासी" है। "तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, संसार के अंत तक।"

281 अब, प्रभु धन्य हो! और आप जानते है कि मैं... मैं... कुछ तो बात जगह ले रही है।

282 अब, श्रोतागण के लिए, मैं चाहता हूं कि आप आदरपूर्ण बने रहे। लेकीन, अब, वही प्रकाश, परमेश्वर का धन्यवाद हो, यहॉ पर मेरे दाहिनी ओर आ रहा है। यह मेरे और महिला के बीच मंडरा रहा है। अब उसका जीवन नही छिप पायेगा।

283 अब, मेरी बहन, जो भी अब तुम पर है वो तुम्हे कुछ भी नुकसान नही पहुँचाएगा। यह तुम्हारे मदद के लिए है। यही केवल वो उद्धार का मार्ग है। तुम, तुम यहां...

284 नही, तुम इस नगर में नही रहती हो। तुम नई एलबेनी में रहती हो। तुम नई ऐल्बेनी में रहती हो। और तुम—तुम एक डॉक्टर के देखरेख के नीचे हो। और डॉक्टर ने तुम्हे बताया है कि यह किसी प्रकार की एक चीज है, कुछ तो गले में है। कुछ... यह एक श्वास नली की बीमारी है जो तुम्हारे गले में है। और उसने तुम्हे बताया है, और तुम्हे सलाह दी है, कि इस देश को छोड दो, कि यहां से दूर चली जाओ, यही, यही केवल वो तरीका है जिससे तुम चंगी हो सकती हो। क्या तुम विश्वास करती हो कि प्रभु यीशु इसे चंगा कर सकता है? [बहन कहती है, "जी हाँ। परमेश्वर की महिमा हो।"—सम्पा।]

आइये अपने सिरों को झुकाए।

285 हमारे स्वर्गीय पिता, अपने हाथों को महिला पर रखते हुए, जब कि पवित्र आत्मा के अभिषेक की उपस्थिती में है, मैं इस बीमारी को निकम्मा ठहराता हूं, कि आपने इस महिला के लिए उस कलवरी पर चंगाई को दे दिया है, और मांगता हूं कि वो आजाद हो जाए। यीशु मसीह के नाम में, मैं प्रार्थना करता हूं। आमीन।

286 शांती में जाओ, मेरी बहन, और परमेश्वर तुम्हे आशिष दे और तुम्हारे साथ हो, यही मेरी प्रार्थना है।

287 अब, होने पाये प्रभु धन्य हो! अब श्रध्दापूर्ण बने रहे। ध्यान दे। परमेश्वर में विश्वास रखे। संदेह न करे।

288 मैं चाहता हूं कि आप इस तरफ देखे, महिला। अब, वो ही एक है जो... हम उसकी उपस्थिती में है, सारी बातों को जानता है, और तुम्हे उसी आरंभ से जानता है। उसने खाने के हर एक दाने को तुम्हे खिलाया है, जो भी तुमने खाया है। वो तुम्हारे बारे में सब जानता है। मैं हो सकता है तुम्हे नही जानता हूं, लेकिन परमेश्वर तुम्हे जानता है। वो जानता है तुम कौन हो, तुम कहॉ से हो, तुम्हारे बारे में सब जानता है, जो भी तुमने अपने जीवन में किया है। और वो ही केवल एक है, जो तुम्हे चंगाई दे सकता है, या तुम्हारे लिये कर सकता है जो भी तुम करने की इच्छा रखती हो। तुम जानती हो कि मैं इसे नही जानता हूं। परमेश्वर ही है जो मेरे लिए इसे प्रकट करता है। क्या यह सचाई है? अपने हाथों को ऊपर उठाए, यदि यह सचाई है तो। [बहन कहती है, "यह सचाई है।"—सम्पा।] तो ठीक है, कुछ क्षण के लिए आप इस ओर देखे।

289 कुछ क्षण के लिए रुकना। अब, हर एक जन आदरपूर्ण रहे।

290 यहां प्रभु का दूत खडा हुआ है ठीक *यहाँ* पर, केवल... ये वहां पर कुछ... ये वहॉ छोटी लडकी पर है जो ठीक यहॉ बैठी हुई है। वो छोटी लडकी वहां पर अपने प्रियजनों के साथ है। वो छोटी बच्ची गले की किसी प्रकार की बिमारी से पीड़ीत है। यह एक गले की बिमारी है, टॉनसिल की बीमारी। यह सही है, क्या ऐसा नही है, श्रीमान? अपने हाथ को उस बच्ची पर रखे।

291 प्रभु परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, शैतान प्रदर्शीत हो गया है। और मैं उस दुष्ट को डॉटता हूं जो उस लडकी को पकडे हुए है।

उसमें से बाहर आ, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

292 भाई, आप बहुत ही दूर से आए हो, जिससे कि बच्ची को लेकर आये। लेकिन चिन्ता मत करो, अब आप उसे घर ले जा रहे है चंगाई पाकर। तुम्हारे विश्वास ने तुम्हे बचा लिया है।

परमेश्वर पर विश्वास रखे।

293 तुम जेफरसनविले से भी नही हो। तुम जेफरसनविले से कही दूर रहती हो। तुम पूर्व से आयी हो, यहॉ पश्चिम में आते हुए, जब तुम यहाँ आयी। और

तुम आयी हो... तुम एक सडक से आयी हो, जो एक——एक पक्की सडक है। और तुम एक नगर से हो, जो एक तरह से सडक के सीधे हाथ की ओर बसा हुआ है। वहां किसी प्रकार का आस–पास एक सरकारी व्यवसाय है। यह एडीनबर्ग इन्डियाना है। तुम एडिनबर्ग, इन्डियाना से हो। और तुम्हारे नाम को, मैं उस पर देखता हूं, डेन्टन है। और तुम्हारा नाम डेन्टन है। और तुम हृदय की तकलीफ से गुजर रही हो। चंगाई लेकर घर वापस जाओ। तुम्हारा विश्वास तुम्हे चंगा करता है और तुम्हे ठीक करता है, प्रभु यीशु मसीह के नाम में। होने पाए तुम जाओ और चंगी हो जाओ। आमीन। परमेश्वर तुम्हे आशीष दे।

294 परमेश्वर में विश्वास रखो। अपने पूरे हृदय से विश्वास करो। अब, आप लोग, विश्वास रखे! संदेह ना करे। केवल अब विश्वास करे। क्या उस पर विश्वास करते है? ओह, प्रभु! यह, मैं नही हू; वो है, वो पुनरुत्थीत यीशु है। वो ही एक है, जो यहां पर है, और वो कर रहा है। यह वही काम है जो उसने किये, यह सही है, बिल्कुल वही काम जो उसने किये।

295 अब, महिला, तुम और मैं आज सुबह भेट कर रहे है। परमेश्वर हम दोनों को जानता है। मैं तुम्हारे बारे में कुछ नही जानता हूं। तुम इस बात को जानती हो। लेकिन परमेश्वर तुम्हे जानता है। वो मुझे जानता है। और उसका आत्मा यहां हमारे बीच में है।

296 मैं तुमसे कुछ पूछना चाहता हूं इसलिये कि यह भवन के लोग जान जाए। तुम्हारे सारे जीवन में, तुमने कभी इस तरह महसूस नही किया, जो ठीक तुम अभी महसूस कर रही हो, यह सही है, क्योंकि तुम उसके सर्वशक्तिमान आस्तिव की उपस्थिती में हो। क्या तुमने कभी उस प्रकाश की तस्वीर को देखा है? ये अब बिल्कुल वही है जो तुम्हे इस तरह से महसूस करवा रहा है।

297 मैं इस समय पर अलग ही दुनिया में रह रहा हूं। मैं तुम्हे देख सकता हूं, अभी मुझे बता रहा है कि कोई तो मेरे सामने खडा है। और तुम यह जानती हो यह एक प्रिय, मधुर, और नम्र अनुभव हो रहा है। ये वो ही प्रभु यीशु है, जो मुर्दो में से जी उठा। वो आत्मा के जीवन में वापस आया है, परमेश्वर। और अब वो यहाँ हमारे साथ है। संसार के अन्त तक, वो हमारे साथ होगा।

298 तुम एक मसीही हो। तुम एक विश्वासी हो। और तुम यहां पर खुद के

लिए नही खडी हो। तुम यहां एक व्यक्ति के लिए खडी हो, और वो व्यक्ति तुम्हारा पति है। और उस व्यक्ति को एक तरह का घाव है। और एक और चीज है, मैं उसे देखता हुं। वो किसी शराबखाने में शराब पी रहा है। उसे शराब की लत है। वो, वो शराब पीता है। और अब तुम मनुष्य से छुटकारा पाने के लिए आयी हो। क्या यह सही है? अब जानती हो महिला, ये बातें किसी भी मनुष्य के चित्त से दूर है। क्या यह सही है? [बहन कहती है, "यह सही है।"—सम्पा।] यह परमेश्वर के द्वारा प्रकट किया जाना है। क्या अब तुम यह विश्वास करती हो? ["मैं करती हूं।"]

299 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, जिसने प्रभु यीशु को मुर्दो में से जीवित किया, और हम यहां पर आज पुनरुत्थान की आशीष का आनंद ले रहे है। मैं इसे आशीष देता हूं, जो तेरे हाथ का बनायी हुई है और होने पाए वो उसे मिल जाए जो उसने मांगा है। मैं यीशु के नाम में मांगता हूं। आमीन।

300 परमेश्वर तुम्हे आशीष दे, बहन। जाओ, जो कुछ तुमने मांगा है, पा लो। परमेश्वर ने इसे प्रदान किया है।

आप विश्वास करते है?

301 तो ठीक है, श्रीमान, मेरी ओर देखो। मेरा मतलब, देखो नही... मेरा मतलब, जैसे पतरस और यूहन्ना फाटक से होकर गुजरे, जो सुंदर फाटक कहलाता था, उन्होने कहा, "हमारी ओर देख।" मैं सोचता हूं, हम एक दुसरे के लिए अजनबी है। हम एक दूसरे को नही जानते; शायद एक दूसरे को पहली बार ही देख रहे है। क्या यह अब तक की हमारी पहली मुलाकात है; एक दूसरे को देखने के लिये? तो ठीक है। तब, हम कुल मिलाकर, पूरी तरह से अजनबी है। ["यह सही है।"] मैंने तुम्हे कभी भी नही देखा है, और तुमने मुझे कभी भी नही देखा है। और यहां पर हम है, दो मनुष्य जो जीवन में पहली बार मिले है। परमेश्वर हम दोनों को जानता है, क्या वो नही जानता है, श्रीमान? ["वो जानता है।"] वो निश्चय ही जानता है। और अब यदि वहां कुछ भी है जो तुम से संबंधित है...

302 कुछ तो हुआ है। अब, हर एक जन आदरपूर्ण बना रहे।

303 यह एक महिला है जो यहां बैठी हुई है, प्रार्थना कर रही है, ठीक पीछे *यहां*। वो कब्ज से परेशान है। महिला, एक मिनट के लिए खडी हो जाए। यह सच्चाई है, क्या ऐसा नही है? [बहन कहती है, "हाँ।"—सम्पा।] और तुम्हारे हृदय पर धडकन तेज हो रही है। यह कुछ नही लेकीन कब्ज है,

इसलिए कि तुम चिन्तित और परेशान हो। लेकिन तुम चंगाई पाकर घर जा रही हो। मैं तुम्हारे आस–पास प्रकाश में बदलते देख रहा हूं, जहां पर पहले अन्धकार था। डरो मत। केवल...

304 देखो, आपको एक प्रार्थना के कार्ड की आवश्यकता नही होती है। केवल जिस चीज की आवश्यकता है, वो है विश्वास। केवल परमेश्वर में विश्वास रखे।

305 परमेश्वर तुम्हे आशीष दे, महिला। अपने पूरे हृदय से विश्वास करे।

306 अब, जैसे ये दुष्ट आत्मा *यहां* इस हिस्से की तरफ बढना आरंभ होती है। वहां कोई तो पुकार रहा है। प्रार्थना की गयी है। मैं एक अन्धकार को तेजी से एक महिला से एक पुरुष की ओर बढते हुए देख रहा हूं। यह एक दुष्ट चीज है, और यह ठीक पसली के नीचे है। मैं एक निरक्षण को कर रहा हूं । ओह, यह एक छोटा सा व्यक्ति *यहां* बैठा हुआ, प्रार्थना कर रहा है, उसके आँखो से आँसु बह रहे है। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। विश्वास रखे! तुम मुझ परमेश्वर का भविष्यव्यक्ता होने का विश्वास करते हो? तुम मुझे उसी तरह से स्वीकार करते हो? अब, तुम्हारे साथ वो ही गलत बात है, जो उस महिला के साथ है जो वहां पर उस तरफ बैठी हुई है उस अंतिम पंक्ति में ठीक मेरी ओर देख रही है, ठीक वहां बाहर छोटी गोल टोपी को पहने हुए है। वहां पर एक काली डोर है। वो महिला यहां इस महिला के सिर के आस–पास देख रही है, सीधे मेरी ओर देख रही है, अपने हाथ को ऊपर उठाये हुए। यही है वो, महिला। यह सही है। यहां है वो, एक से दूसरे की तरफ आ रहा है। यह दुष्ट की शक्ति है, खीचती हुई; एक गहरी छाया। आप मुसीबत में हो, यह ठीक तुम्हारे यहां नीचे की तरफ है। यह एक पित्ताशय की बीमारी है। वो महिला उस ओर उसे यह है। आप दोनों चंगे हो गए है। यीशु मसीह तुम्हे चंगा करता है। वो दुष्ट की सामर्थ छोड जायेगी, और तुम आजाद होने जा रहे हो। आमीन।

307 विश्वास रखे! अब, जरा रुके। पवित्र आत्मा श्रोताओं में है, लोगो के साथ वहां पर कार्य कर रहा है।

308 वो महिला जो अपने हाथों को उठाए हुए है; वहां ठीक उसके पास महिला बैठी हुई है, जिसका मैं निरक्षण को देख रहा हूं। उस महिला की कुछ तो आंत संबंधी नली की परेशानी है। यह सही है, महिला। क्या तुम विश्वास करती हो कि परमेश्वर तुम्हे चंगा करेगा? तुम्हारे आंत संबंधी नली

में तकलीफ है। यह सही है। तुम अपने हाथ को ऊपर उठाओ। क्या तुम यीशु को अपना चंगाई देने वाला करके ग्रहण करती हो? यीशु मसीह के नाम में जो परमेश्वर का पुत्र है, जो यहां पर है कि तुम्हे ज्ञात करवाए, अपनी चंगाई को यीशु मसीह के नाम में ग्रहण करे।

309 मैं एक महिला को देखता हूं, उसके सिर के चारो ओर कुछ तो है। यह प्रकट रुप से… ओह, वो महिला जो ठीक उसके पीछे बैठी हुई है, जो दूसरी महिला वहां बैठी हुई है। उसके पास किसी प्रकार का सिरदर्द है। हमेशा ही, उसे सिरदर्द रहता है। मेरी ओर देख रही है। क्या तुम विश्वास करती हो महिला, वहां बैठी हुई, एक छोटी सी, भुरे बालो वाली महिला, कि परमेश्वर तुम्हे चंगा करेगा? क्या तुम अपने पूरे हृदय से विश्वास करती हो? [बहन कहती है, “हाँ।”—सम्पा।] यह सही है। परमेश्वर तुम्हे आशीष दे। यह खत्म हुआ है। अब तुम घर जा सकती हो। यह तुम्हे ठीक तभी छोड चूका है। यदि यह सही है तो, अपने हाथ को उठाए। अपने हाथ को ऊपर की ओर हिलाए, यदि यह सही है तो। यह तुम में से चला गया है। तुम चंगी हो गयी हो।

310 ओह, प्रभु यीशु का नाम धन्य हो! आए, विश्वास करते हुए। पवित्र आत्मा पंक्ति में मंडरा रहा है। ओह, क्या ही अद्भुत है! क्या आप उस पर विश्वास करते है? देखा, उसने क्या किया है! काश मैं, अपनी कलीसिया में वर्णन कर सकता, कि यह अनुभव क्या है, यह कैसा है, अलग ही दुनिया में, तुम उत्सुक होंगे कि आप सचमुच भवन में हो, कि नही। आदरपूर्ण बने रहे। श्रध्दापूर्ण बने रहे।

311 मैं किसी को दुर, बहुत दुर से आते हुए देख रहा हूं। यह एक—एक स्थान में आ रहा है। यह एक मनुष्य है। वो एक देश से आता है, जहां पर बहुत सारे वृक्ष है। यह विरजीनिया है। वो संधिवात से पीडीत है। क्या तुम विश्वास करते हो कि परमेश्वर तुम्हे चंगा करता है और तुम्हे ठीक करता है? क्या तुम इसे स्वीकार करते हो? तुम करते हो? तुम विरजीनिया से यहां संधिवात से चंगाई को पाने के लिए आये हो। क्या यह सही नही है? इतनी दूर से… जी हां, श्रीमान। अब तुम चंगे हो गए हो। तुम वापस जा सकते हो। और तुम्हारे हृदय की तकलीफ तुम्हे छोडकर चली गयी है। पंक्ति से घूमकर और वापस जाओ; तुम ठीक हो। परमेश्वर तुम्हे चंगा करता है। तुम्हारे विश्वास ने तुम्हे बचा लिया है।

312 प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो! क्या तुम विश्वास करते हो कि वो मुर्दो में से जी उठा है? उसके पुनरुत्थान का अचूक प्रमाण! विश्वास रखे!

313 अब, मुझे क्षमा करे, श्रीमान। मैं माफी चाहता हूं कि आपको रोके रखा। मेरा—मेरा इस पर नियंत्रण नही है। यह मुझ पर नियंत्रण करता है; मैं इस पर नही। यह मुझे नियंत्रण करता है। मैं कह सकता हूं कि मैं बुरी तरह से कमजोर होता जा रहा हूं। लेकिन, मैं जानता हूं मैं किसी के तो पास हूं, एक भूरे बाल वाला मनुष्य। हम... मैं जानता हूं कि तुम चश्मा पहनते हो। जिससे कि तुम्हारे साथ कुछ तो गलत हुआ होगा, यह तुम्हारी आँखे में हुआ होगा। लेकिन परमेश्वर तुम्हारे बारे में सब जानता है, श्रीमान। यह सही है। तुम यहां चंगाई पाने के लिए हो एक—एक... तुम चिन्तित हो, वास्तव में परेशान हो। यह एक—एक पौरुष ग्रंथि की समस्या की वजह से होता है। तुम्हे एक पौरुष ग्रंथि की समस्या है। यदि यह सही है, तो अपने हाथ हो उठाए। और तुम्हे एक हृदय की समस्या भी है। यह सही है। तुम मानते हो। और, देखो, मैं तुम्हारी... मैंने मेरे जीवन में तुम्हे कभी भी नही देखा है। लेकिन तुम्हारे नाम का प्रथम अक्षर ए. ए. मिलर है। तो ठीक है, तुम माऊंट वैली में रहते हो। तुम अपने घर के रास्ते पर हो, चंगे होकर। परमेश्वर आपको आशीष दे। जाओ, आनन्द करते हुए, और विश्वास करो।

314 श्रीमान मिल्स, यह तुम्हारे लिए आसान है। अब अवश्य ही, आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हुए जायेंगे। मैं तुम्हारे लिए एक अजनबी हूं, तुम्हे नही जानता हूं, लेकीन परमेश्वर जानता है। क्या यह सही है? आप महसुस कर रहे है कि सब कुछ जा चूका है, अब सब ठीक है? परमेश्वर तुम्हे आशीष दे। घर जाओ और कुशल रहो।

आप मे से हर एक जन!

315 परमेश्वर के लिये हृदय जलोदर क्या चीज है? वो इसे किसी भी समय पर इसे चंगा कर सकता है। वह तुम्हे वापस कैम्पबेल्सबर्ग भेज सकता है, यह जहॉ कही भी है, भली महिला। क्या इसे विश्वास करती हो? मैं तुम्हे नही जानता। मैंने जीवन मैं तुम्हे कभी भी नही देखा है। मैं तुम्हारे लिए एक अजनबी हूं। लेकिन वो तुम्हे जानता है, और तुम कौन हो, और तुम कहां से आयी हो। क्या यह सही है? वो तुम्हे इसे प्रकट करेगा। क्या यह सही है? तो ठीक है, तुम इस अभिषेक पर विश्वास करती हो, जो अब मुझ पर है, जो तुम्हे जानता है और तुम्हारे बारे में हर एक चीज, (मैंने तुम्हे पहले

कभी नही देखा है), यदि मैं अपने हाथों को तुम पर रखता हूं, क्या तुम चंगी हो जाओगी? [बहन कहती है, "हाँ।"—सम्पा।]

316 यीशु मसीह के नाम में, मैं दुष्ट को डॉटता हूं, शैतान, तू प्रदर्शीत हो चूका है। तुमने इन लोगों को काफी समय तक गटर के जरिए से खींचे रखा। उस महिला में से बाहर आ, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

अपने मार्ग पर जाओ, खुश होकर।

317 तकलीफ तुम्हारे पीठ में है, लेकिन परमेश्वर तुम्हे चंगा कर सकता है। क्या वो नही कर सकता है? तुम्हे चंगा कर सकता है! तुम विश्वास करते हो कि वो इसे कर चूका है? यदि तुम इसे पूरे हृदय से विश्वास करते हो! यीशु मसीह के नाम मे, जो परमेश्वर का पुत्र है, मैं इस बीमारी को डांटता हूं। तुम जा सकते हो और कुशल रहो। परमेश्वर तुम्हे आशीष दे। जाओ, अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हुए।

318 आओ, क्या तुम, अपने पूरे हृदय से, अब, क्या विश्वास करती हो? [बहन कहती है, "हाँ।"—सम्पा।] मैं तुम्हारे लिए एक अजनबी हूं। मैं तुम्हे नही जानता, तुम्हारे बारे में कुछ नही जानता। मैंने तुम्हे अपने जीवन में कभी नही देखा है, जहां तक मैं जानता हूं। लेकिन सर्वशक्तिमान परमेश्वर तुम्हे जानता है। क्या वो नही जानता? वो तुम्हारे बारे में सब जानता है। वो जानता है कि तुम कौन हो, वो हर एक चीज को जानता है। मैं नही जानता, जानने का कोई जरिया ही नही है, लेकिन वो जानता है। लेकिन क्या तुम विश्वास करती हो कि तुम उपस्थिती में खडी हो, अपने भाई की उपस्थिती नही, लेकिन उसकी, जिसने उस महिला की ओर देखा और उसे बताया उसकी तकलीफ कहॉ थी? ["हाँ।"] मैं देखता हूं, तुम्हारे और मेरे बीच एक मेज आती है, और तुम इससे पीछे हट रही हो। तुम्हारी पेट की समस्या है। जिसके कारण पेट में पाचक अल्सर है। अब जाकर अपने रात्री भोजन को खाओ। यीशु मसीह तुम्हे चंगा करता है। जाओ, अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हुए।

319 आओ, जवान पुरुष। क्या तुम मुझे उसका भविष्यव्यक्ता होने का विश्वास करते हो? [भाई कहता है, "मैं करता हूं।"—सम्पा।] अपने पूरे मन से, तुम इसे स्वीकार करते हो? मैं तुम्हारे लिए एक अजनबी हूं, लेकिन परमेश्वर तुम्हे जानता है। क्या यह सही नहीं है? ["हाँ, यह सही है।"] क्या तुम हृदय की तकलीफ से छुटकारा पाना चाहते हो और चंगा

होना चाहते हो? [“मैं चाहता हूं।”] तो ठीक है; अपने मार्ग पर आनन्द करते हुए जाओ। तुम्हारा विश्वास तुम्हे चंगाई देता है और तुम्हे ठीक करता है।

320 महिला, क्या तुम आओगी? तुम्हे भी पेट की तकलीफ थी। और उस महिला ने कुछ मिनट पहले चंगाई को पाया है, जिसे पेट की तकलीफ थी, एक वास्तविक अनोखा अनुभव तुम पर आ गया, क्या ऐसा नही हुआ है? तुम उसी समय चंगी हो गयी थी। अपने मार्ग पर जाओ, और अपने रात्री भोजन को खाओ, और कुशल रहो।

321 मैं कुछ कहना चाहता हूं, मेरे भाई। परमेश्वर तुम्हे जानता है। तुम्हारे और मेरे बीच एक काली छाया खडी हुई है। यह एक बीमारी है जो किसी भी बीमारी से सबसे ज्यादा लोगों को खत्म करती है। यह हृदय की तकलीफ है। तुम्हारे हृदय में एक छेद है, और वे तुम्हे कहते है कि तुम इससे नही निपट सकते हो। लेकिन परमेश्वर जानता है कि तुम कर सकते हो। क्या तुम विश्वास करते हो, परमेश्वर तुम्हे ठीक अभी चंगाई देगा? [भाई कहता है, “हाँ,”—सम्पा।] यीशु मसीह के नाम में, अपनी चंगाई को ग्रहण करो, और इस मंच से एक चंगे मनुष्य होकर जाओ। जाओ, परमेश्वर की स्तुती और महिमा करते हुए!

322 वही गलत बात तुम्हारे साथ थी। हालांकि यह एक हृदय की घबराहट के कारण से है, तुम्हारी बीमारी है। यह सही है। अब क्या तुम विश्वास करते हो कि तुम चंगे हो गये हो? तब अपने घर की ओर वापस जाओ, आनन्द करते और कुशल बने रहो, परमेश्वर की महिमा के लिए।

323 यहां पर देखो, महिला। क्या तुम विश्वास करती हो? एक मिनट रुकना। हम एक दूसरे के लिए अजनबी है। हम एक दूसरे को नही जानते है।

324 लेकीन वहां मंच पर से एक भयानक झटका आया है... या, लोगों में से, जब वो महिला यहां चलकर आयी। ओह, यह सारे श्रोतागण के ऊपर है।

325 इस ओर देखो, एक मिनट के लिए। तुम जानती हो, महिला, मैंने मेरे जीवन में तुम्हे कभी नही देखा है, मैं तुम्हारे बारे में कुछ भी नही जानता हूं। केवल परमेश्वर ही सिर्फ तुम्हे जानता है। लेकिन, मैं तुम्हे देखता हूं, तुम—तुम पुरी तरह से परेशान हो। यह तनाव है। तुम्हे एक मानसिक रोग है, और तुम—तुम हर समय चीजो को गिरा देती हो। मैं तुम्हे बर्तनों और

चीजों को गिराते हुए देखता हूं। और तुम यहां आने से पहले एक कुर्सी में प्रार्थना कर रही थी, एक सभा कक्ष के पास ही बैठी हुई। और तुमने परमेश्वर से मांगा, यदि तुम यहां पहुंच पायी और मैं अपने हाथों को तुम पर रखता हूं, तुम चंगी हो जाओगी। यही सच्चाई है। क्या यह सही नही है? अपने हाथों को ऊपर उठाओ। यह ठीक है।

यह एक आत्मा है। वो चीज, श्रोतागण के ऊपर है।

326 वो छोटी महिला ठीक *वहां* पर बैठी हुई है; एक बाइबल की शिक्षीका वहां पर बैठी हुई उसी तकलीफ से गुजर रही है। शैतान तुमसे झुठ बोल रहा है, महिला। तुम छुटकारे के लिये तैयार हो।

327 वहां देखो, सारी इमारत में, यहां, हर कहीं। यहां पर एक और बैठा हुआ है, ठीक *यहां* पर एक। *वहां* पर एक है, ठीक उस तरफ, यहां एक है *इधर*। ओह!

328 आप में से हर एक जन जो तनाव की परेशानी के साथ है, अपने पैरो पर एक मिनट के लिए खडे हो जाए। यदि आप चाहे है तो, अपने पैरो पर खड़े हो जाए।

अब हर एक जन अपने सिर को झुकाये।

329 ओह, शैतान, तू दुष्ट आत्मा! तू बेनकाब हो चूका है। इन लोगों में से बाहर आ। मैं तुझे डाँटता हूं, यीशु मसीह के नाम में। इन लोगों को छोड दे। बाहर आ।

330 अब यहां पर देखो, महिला। एक मिनट के लिए। अब तुम आजाद हो। ये पूरी तरह से तुम में से चला गया है। मैं पूछना चाहता हूं... तुम में से हर एक जन चंगा हो गया है। तुम लोगो में का सारा झुण्ड चंगा हो चूका है। दुष्ट तुम्हे छोड चूका है। अब तुम सच्ची शांती को महसूस करती हो। तुम अब बिल्कुल ठीक हो। अब अपने रास्ते पर जाओ, खुश होकर, आनन्द करते हुए, परमेश्वर को इसके लिए धन्यवाद देते हुए। तो ठीक है।

331 आओ, श्रीमान। तुम और मैं एक दुसरे के लिए अजनबी है। हम एक दूसरे को नहीं जानते है। मैंने तुम्हे जीवन में कभी नही देखा है। परमेश्वर तुम्हे जानता है। यहॉ देखो, श्रीमान। कुछ क्षण के लिए मेरी ओर देखे।

332 अब, श्रोतागण की ओर। यहॉ एक अजनबी है। मैंने इस व्यक्ति को कभी नही देखा है। मैं उसे नही जानता, उसे कभी भी नही देखा है। परमेश्वर

इसे जानता है। जहां तक मैं जानता हूं, मैंने उसे अपने जीवन में कभी नही देखा है।

333 लेकिन मैं घोषणा करता हूं कि यीशु मसीह मुर्दो में से जी उठा है, ये वही काम है जो यीशु ने किये जब वो यहां एक—एक शरीर में था जिससे कि तुम देख सको, वो ठीक आज यहां पर है, उसी काम को करते हुए। वो मुर्दो में से जी उठा है, और हमेशा के लिए जीवीत है। धन्य है तुम्हारी आँखे, जो इन कामो को देखती है और प्रभु यीशु पर विश्वास करती है!

334 यह मनुष्य, एक अजनबी है। मैंने उसे कभी भी नही देखा है, और शायद उसने मुझे कभी नही देखा है। यदि मैंने... यदि मैंने कभी उसे देखा हो, तो परमेश्वर जानता है, मुझे यह याद नही है। उसने कहा वो मेरे लिये एक अजनबी था। लेकिन परमेश्वर उसे जानता है। यदि परमेश्वर प्रकट करेगा, उस मनुष्य को जो वहां पर खडा है; जो मेरे लिए पूरी तरह एक अजनबी है, बिल्कुल वैसे ही कि उसके साथ क्या गलत है, उसके बारे में सब; वो बतायेगा कि उसके साथ क्या गलत है, ये जो कुछ भी है, और वो जानता है कि मैं इसके बारे में कुछ भी नही जानता हूं, क्या तुम मसीह को चंगाई देने वाले के नाई स्वीकार करते हो, आप में से हर एक जन?

335 इमारत का धुंधला होना और वापस आना आरंभ हो चूका है। यदि केवल आप जान जाये वो कारण जो मैं आपसे बातें कर रहा हूं, मित्रो! तो आप दुसरी दुनिया के अन्दर है। आप एक अलग ही स्थान पर होते है। आप पूरी तरह बहुत ही दूर समय की धारा पर हो, किसी के तो जीवन में, उन्हे देखते हुये; वे कौन है और वे कहां पर है। आप नही समझते है। मैं इसे समझता हूं यह यहां पूरी तरह से काम नही करता है, क्योंकि यह स्वदेश है। यह सही है। लेकिन आप देखते है कि वो मुर्दो में से जी उठा है। आप समझते है कि मैंने आपको सत्य को बताया है।

336 अब मेरी ओर देखे, श्रीमान, एक मिनट के लिए, बस उचित रूप से कि तुम और मैं प्रभु यीशु के सम्पर्क में आ सके। यदि मैं उसका सेवक हूं, यीशु ने कहा, "वो काम जो मैं करता हूं, तुम भी करोगे।"

337 "थोडी देर रह गई है और संसार मुझे न देखेगा," ये अविश्वासी है। वे वहॉ बाहर गेंद के खेलों में है और तैराकी और इत्यादि के लिए है। वे उसे कभी नही देख पायेगे।

338 “लेकिन तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, तुम में रहूंगा, संसार के अन्त तक।”

339 फिर, यदि वो मुर्दो में से जी उठा है, और वो इस सुबह यहां पर खडा है, और यह अभिषेक जो अब मेरे पास है, यह मेरा अभिषेक नही है, लेकिन यह उसका है। तब तुम अपने जीवन को नही छिपा सकते, यदि तुम छुपाते थे तो, क्योंकि हम आत्मा की उपस्थिती के द्वारा एक दुसरे के सम्पर्क में आते है। यदि परमेश्वर मुझ पर प्रकट कर सकता है कि यहां तुम किस बात के लिए खडे हो, क्या तुम अपने पूरे हृदय से इसे स्वीकार करोगे? [भाई कहता है, “हाँ।”—सम्पा।] क्या तुम इसे करोगे? [“हां, श्रीमान।”]

340 तुम एक पेट की बीमारी से गुजर रहे हो। यह बिल्कुल ऐसे ही है। और इसका जो कारण है, क्योंकि तुम एक... इसकी वजह एक बैचेनी की अवस्था है। यह एक बैचेनी नही है, बाहरी तौर से, बैचेनी की कंपन है। मैं देखता हुं कि तुम एक बहुत दूर तक सोचने वाले हो। तुम हमेशा ही कुछ तो योजना को बनाते हो, पुलो को पार कर लेते हो, इससे पहले तुम कभी उस तक पहुंचो। तुम जिन चीजों को करते हो, वो कभी पूरी नही होती है, और तुम्हे ये पहले से ये बताया जाता रहा है। यह सही है। लेकिन ये तुम्हे बताने से कोई फायदा नही हुआ, क्योंकि... लेकिन अब ऐसा होगा, क्योंकि तुम चंगे हो चूके हो। तुम एक चंगे मनुष्य होकर घर जा रहे हो। यीशु मसीह तुम्हे चंगा कर चूका है।

341 यीशु मसीह के नाम में जो परमेश्वर का पुत्र है, मैं हर एक दुष्ट आत्मा को डाँटता हूं जिसने इस मनुष्य को आश्रय बनाया है। और होने पाए वो मनुष्य यीशु मसीह के नाम के द्वारा शांती में जाये। आमीन।

परमेश्वर तुम्हे आशीष दे।

342 क्या आप विश्वास कर रहे हो? [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] अपने पूरे हृदय से? [“आमीन।”] क्या तुम विश्वास करते हो कि यीशु मसीह ईस्टर पर जी उठा? [“आमीन।”] क्या आप विश्वास करते है कि अब उसकी उपस्थिती यहां पर है? [“आमीन।” क्या आप मुझे उसके भविष्यव्यक्ता के नाई मेरी मानेगे? [“आमीन।” यदि आप ऐसा करते हो, ऐसे ही, आप में से हर एक जन ठीक अभी चंगा हो सकता है। हर एक व्यक्ति जो यहां पर है वो चंगा हो सकता है। क्या आप इसे विश्वास करते हो? [“आमीन।”] तब अपने सिर को झुकाये।

343 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, जीवन के लेखक, हर एक दान के देनेवाले, इन श्रोतागण के ऊपर अपनी दिव्य आशीष को भेजे। और अब जैसे आपका आत्मा मंडरा रहा है, और जो श्रोतागण यहां इस बीमारी में है, मैं हर एक अशुध्द आत्मा को डाँटता हूं, हर एक दुष्ट को, जिसने बीमार लोगों को बांध कर रखा है। मसीह यहां पर है, जिसने दरवाजो को खोल कर और बन्धुओं को आजाद कर दिया है, और उनमें से हर एक जन आजाद है, क्योंकि यीशु मसीह मुर्दो मे से जी उठा है और यहां आज अपने आप को प्रमाणित करता है।

शैतान, लोगो में से बाहर आ, यीशु मसीह के नाम में।

344 और आइये, अब हर एक जन जो विश्वास करता है... मैं परवाह नही करता कि क्या बीमारी है। तुम जो वहॉ पर बैसाखी पर हो, खडे हो जाओ। हर एक जन खडे हो जाये, यीशु मसीह के नाम में, और कुशल और चंगे हो जाये।

55-0410M उसके पुनरुत्थान का प्रमाण
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org